विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026
वर्ष 37 अंक 16 | कोरबा, बुधवार, दिनांक 15 अक्टूबर 2025 डाक 16 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला और मंगोलिया के राष्ट्रपति, श्री खुरेलसुख उखना के साथ नई दिल्ली में नए संसद भवन का दौरा करते हुए

देश-विदेश
केरल में हिजाब पहनकर स्कूल जा सकेगी मुस्लिम छात्रा शिक्षा मंत्री ने मांगी जांच रिपोर्ट

फीचर पेज
दीपावाली सिर्फ घर की सफाई नहीं बल्कि मन की सफाई भी है जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली का तोहफा दे दिया

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे जलाने की मिली इजाजत

नईदिल्ली, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

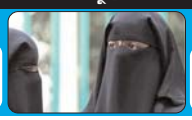

सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने और जलाने की इजाजत दी है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब लोग बिना किसी डर के ग्रीन पटाखे खरीद और जला सकेंगे। सीजीआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन द्वारा कहा गया कि हमने सॉलिसिटर और एमिकस के सुझावों पर विचार किया है। हमने देखा है कि इंडस्ट्री को चिंता है। पारंपरिक पटाखों की स्मगलिंग होती है, जिससे ज्यादा नुकसान होता है। हमें एक बैलेंस्ड तरीका अपनाना होगा। हरियाणा के 22 जिलों में से 14 जिले एनसीआर में आते हैं। कहा कि पेट्रोल टीमें पटाखे बनाने वालों की रेगुलर जांच करेंगी और उनके क्यूआर कोड साइट पर अपलोड करने होंगे। जब बैन लगाया गया था, तब कोविड पीरियड को छोड़कर एयर क्वालिटी में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा था। अर्जुन गोपाल केस में फैसले के बाद ग्रीन क्रैकर्स का कॉन्सेप्ट लाया गया। छह सालों में ग्रीन क्रैकर्स ने एमिशन को काफी कम कर दिया है। इसमें एनईईआरआई का भी योगदान रहा है। 14.10.2024 से 1.1.2025 तक इन्हें बनाने पर पूरा बैन लगा दिया गया।

पाकिस्तान को फिर मिली भीख, आईएमएफ ने 10 हजार करोड़ रुपये के लोन पर लगाई मुहर

नईदिल्ली, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और पाकिस्तान के बीच 1.2 अरब डॉलर को लेकर समझौता हो गया है। बुधवार को यह समझौता स्टाफ-लेवल' पर हुआ है। आईएमएफ के अधिकारी और पाकिस्तान सरकार आपस में इस कर्ज को लेकर सहमत हो गए हैं। हालांकि, अभी आईएमएफ की बोर्ड मीटिंग में इसको आखिरी मंजूरी मिलनी बाकी है। मंजूरी मिलने के बाद आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को पैसा मिल जाएगा। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष अपने विस्तारित निधि सुविधा के तहत पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर और अपने लचीलापन और स्थिरता सुविधा के तहत 20 करोड़ डॉलर फंड के बोर्ड से अनुमोदन के बाद प्रदान करेगा। बुधवार तड़के जारी एक बयान में, पेट्रोवा ने कहा कि कर्मचारी-स्तरीय समझौता आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी के अधीन है। ईएफएफ के समर्थन से, पाकिस्तान का आर्थिक कार्यक्रम व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत कर रहा है और बाजार में विश्वास का पुनर्निर्माण कर रहा है। पेट्रोवा ने कहा कि पुनर्प्राप्ति पटरी पर है, वित्त वर्ष 2025 के चालू खाते में अधिशेष दर्ज किया गया है - 14 वर्षों में पहली बार, राजकोषीय प्राथमिक संतुलन कार्यक्रम के लक्ष्य को पार कर गया है, मुद्रास्फीति नियंत्रित बनी हुई है, बाहरी बफर्स मज़बूत हो रहे हैं और सॉवरेन स्प्रेड में उल्लेखनीय कमी आने से वित्तीय स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में आई बाढ़ ने देश के, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र के, भविष्य के परिदृश्य को प्रभावित किया है, जिससे वित्त वर्ष 2026 का अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 3.25-3.5 प्रतिशत तक गिर गया है। आईएमएफ अधिकारी ने पाकिस्तान की नीतिगत प्राथमिकताओं में प्रगति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकारियों ने ईएफएफ और आरएसएफ-समर्थित कार्यक्रमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और चल रहे संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाते हुए सुदृढ़ एवं विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक नीतियों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सोना-चांदी, कैश और लग्जरी कार... एमपी में रिटायर्ड आबकारी अधिकारी के घर छापामारी में और क्या मिला?

भोपाल। मध्य प्रदेश में रिटायर्ड आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया के घर पर छापा पड़ा है। लोकायुक्त की टीम ने धर्मेंद्र भदौरिया के ग्वालियर, उज्जैन और इंदौर स्थित आवास पर छापेमारी की, जहां बड़ी संख्या में कैश के साथ सोने और चांदी के आभूषण मिले हैं। जांच अधिकारियों को धर्मेंद्र भदौरिया के घर से कई लग्जरी गाड़ियां, विदेशी मुद्राएं, प्रॉपर्टीज, फ्लैट, कैश, सोना और चांदी बरामद की है। धर्मेंद्र प्रधान के बतौर आबकारी अधिकारी होते हुए उनकी कुल संपत्ति 2 करोड़ रुपये होनी चाहिए। मगर, अधिकारियों ने 8 करोड़ से अधिक की संपत्ति की जानकारी जुटाई है। धर्मेंद्र भदौरिया 1987 में एसआई (आबकारी) अधिकारी बने थे और 31 अगस्त को जिला आबकारी अधिकारी के पद से रिटायर हुए थे। धर्मेंद्र भदौरिया के पास इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में कई प्रॉपर्टीज मौजूद थीं। लोकायुक्त टीम ने उनके इंदौर स्थित कैलाश कुंज अपार्टमेंट, 4 ऑफिसों, अवि ग्रीन फ्लैट और काउंटी वॉक कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान पर छापा मारा। धर्मेंद्र भदौरिया पर अपने समधी एके सिंह के साथ मिलकर गुजरात और मध्य प्रदेश में शराब का कारोबार करने का आरोप है। उनके समधी गुजरात में एक्टिव हैं। दोनों मिलकर बड़ी संख्या में अवैध शराब का कारोबार करते हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सारंडा सेंचुरी विवादः आदिवासी संगठनों ने उपायुक्त को राज्यपाल के नाम का सौंपा ज्ञापन, 25 को नाकेबंदी का ऐलान

सारंडा, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

सेंचुरी मामले में पुनर्विचार की मांग को लेकर बुधवार को कोल्हान क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी संगठनों ने उपायुक्त को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संगठनों ने 25 अक्तूबर को पूरे कोल्हान में आर्थिक नाकेबंदी करने का ऐलान किया है। आदिवासी संगठनों ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिस मुद्दे को सर्वोच्च न्यायालय में लड़ रहे हैं, वह सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि जनजीवन से जुड़ी लड़ाई है। सारंडा जंगल क्षेत्र के निवासी अपने अधिकारों और अस्तित्व की रक्षा के लिए सड़क पर उतर चुके हैं। संगठनों के नेताओं ने कहा कि सारंडा क्षेत्र में रह रहे लोगों पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री की मुख्य चिंता भी वहीं है जंगल और उसके मूल निवासियों की सुरक्षा। उन्होंने कहा, हम विरासत में मिले विवादों को सुलझा रहे हैं। हमारी लड़ाई इस बात की है कि जिन्होंने जंगल को लगाया और बचाया, उन्हें नियम-कानूनों के नाम पर परेशान न किया जाए। मुख्यमंत्री की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि सरकार सारंडा क्षेत्र के लोगों के अधिकार की रक्षा की शर्त पर ही कोर्ट में जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खनिज संसाधनों को कुछ समय के लिए नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन लोगों के अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा। संगठनों ने कहा कि यह सिर्फ सारंडा के लोगों की नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की लड़ाई है। जब तक आदिवासियों के अधिकारों की गारंटी नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

सीएम फडणवीस के सामने नक्सली कमांडर सोनू ने डाले हथियार

गढ़चिरौली में 60 नक्सलियों के साथ सरेंडर

गढ़चिरौली। देश में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। इस बीच महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पहली बार सबसे बड़ा नक्सली आत्मसमर्पण हुआ है। वरिष्ठ नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति ने अपने 60 अन्य नक्सली साथियों के साथ महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। बुधवार (15 अक्तूबर) गढ़चिरौली शहीद पांडु आलम हॉल, पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण समारोह आयोजित किया। जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटने के लिए स्वागत किया। नक्सली टॉप कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति पर एक करोड़ का ईनाम घोषित था। जिनको माओवादी संगठन के सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक माना जाता था और वह लंबे समय से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर प्लाटून अभियानों की निगरानी करते थे। उनके सरेंडर के बाद अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट गई है।

सीआईएसएफ जवानों के लेकर जा रही बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 20 से अधिक घायल

रसुलपुर (एकमा)। छपरा-सिवान राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-531) पर बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। रसुलपुर थाना क्षेत्र के पांडेय छपरा गांव के समीप सीआईएसएफ जवानों से भरी एक बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर में दो दर्जन से अधिक जवान घायल हो गए। हादसा सुबह करीब तीन बजे हुआ जब अंधेरे और धुंध के बीच दोनों वाहन तेज गति से एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर जवानों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला। सूचना मिलते ही रसुलपुर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को पुलिस की मदद से एकमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। देर रात तक घायलों का उपचार जारी रहा। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ के सभी जवान दिल्ली से ट्रेन द्वारा सिवान पहुंचे थे।

टिकट को लेकर पटना बना राजनीतिक अखाड़ा सीएम आवास के बाहर जेडीयू नेताओं का हंगामा

पटना 15 अक्टूबर । बिहार विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों का नामांकन शुरू हो चुका है। टिकट की आस में नेता क्षेत्र में कम पटना में ज्यादा समय दे रहे हैं। राजधानी पटना का 1 अणे मार्ग (मुख्यमंत्री आवास) राजनीतिक संग्राम का केंद्र बना रहा। जदयू में टिकट वितरण को लेकर मचे घमासान ने सड़क से सत्ता के दरवाज़े तक हलचल मचा दी। सुबह से शाम तक दर्जनों समर्थकों और नेताओं का जमावड़ा मुख्यमंत्री आवास के बाहर देखने को मिला। सबसे पहले सुबह 9 बजे औरंगाबाद जिले के नबीनगर विधानसभा से जदयू के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता यहां पहुंचे थे। ये पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह को टिकट देने की मांग कर रहे थे। यहां से पूर्व सांसद आनंद मोहन के पुत्र को टिकट दिए जाने की चर्चा से ये नाराज होकर यहां पहुंचे थे। रुकरुक कर ये कार्यकर्ता अपने नेता के पक्ष में नारेबाजी कर रहे थे।

इसके बाद गोपालपुर के जदयू विधायक गोपाल मंडल अपने समर्थकों के साथ सीएम आवास के मुख्य द्वार पर पहुंचे। टिकट कटने की आशंका जताते हुए वे वहीं धरने पर बैठ गए। समर्थकों ने गोपाल मंडल को टिकट दो के नारे लगाए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, जिसके बाद आवास का बाहर का इलाका कुछ देर के लिए मिनी प्रदर्शन स्थल में तब्दील हो गया।

बिहार चुनाव को लेकर मनी पावर और फ्रीबीज पर चुनाव आयोग की सख्त निगरानी, आदेश जारी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों (फ्रीबीज) के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। आयोग ने इस संबंध में सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है। चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके। आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को पहले ही तैनात कर दिया है।

दामाद ने ससुराल में किया बम ब्लास्ट, ससुर के उड़े चिथड़े

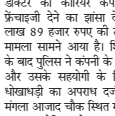

कोरिया। जिले के बैकुंठपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दामाद ने अपने ही ससुर की हत्या कर दी। इतना ही नहीं युवक की सास भी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। युवक ने जिस तरीके से वारदात को अंजाम दिया है उसे जानकर हर कोई हैरान हो गया है। दरअसल, यह पूरा मामला बैकुंठपुर के बचरापोड़ी पुलिस चौकी के बड़े साल्ही गांव का है। यहां एक दामाद ने खाट में सो रहे अपने ससुर को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद युवक ने ससुराल में बम फेंका। बम के धमाके से युवक के ससुर की मौत हो गई और सास गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

डॉक्टर को कोरियर कंपनी ने लगाया चूना, 5 लाख की ठगी

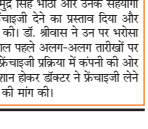

बिलासपुर। शहर के एक डॉक्टर को कोरियर कंपनी की फ्रेंचाइजी देने का झांसा देकर 4 लाख 89 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने कंपनी के मालिक और उसके सहयोगी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मंगला आजाद चौक स्थित महामाया विहार निवासी डॉ. लक्ष्मण श्रीवास (31) कोरियर सेवा शुरू करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने मध्यप्रदेश के बालाघाट स्थित एसक्यू लॉजिस्टिक कोरियर कंपनी से संपर्क किया। कंपनी के मालिक समुद्र सिंह भाठी और उनके सहयोगी दुर्गा प्रसाद बांगरे ने डॉक्टर को फ्रेंचाइजी देने का प्रस्ताव दिया और इसके बदले 5 लाख रुपए की मांग की। डॉ. श्रीवास ने उन पर भरोसा करते हुए 4.89 लाख रुपए एक साल पहले अलग-अलग तारीखों पर फोन पे के जरिए भेज दिए। लेकिन फ्रेंचाइजी प्रक्रिया में कंपनी की ओर से लगातार देरी होती रही। इससे परेशान होकर डॉक्टर ने फ्रेंचाइजी लेने से इनकार किया और रकम वापसी की मांग की।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

ऑटो संघ ने की आर्थिक सहायता

कोरबा । कोरबा शहर अंतर्गत तुलसी नगर निवासी ऑटो चालक राजेश नायडू ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती रहते हुए देहदान करने का संकल्प लेकर घोषणा-पत्र भरा था। गत दिनों उनकी मृत्यु होने के बाद दक्षिण भारत से पहुंचे परिजन ने उनके संकल्प को पूरा कर मेडिकल कॉलेज को देहदान किया। वहीं परिजन प्रतीकात्मक रूप से अंतिम संस्कार के रस्म को पूरा करने का निर्णय लिया। देहदानी राजेश कुमार जिला ऑटो संघ के सक्रिय सदस्य थे। वहीं उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, ऐसे में जिला ऑटो संघ ने परिवार की मदद का निर्णय लिया।

ऑटो संघ के अध्यक्ष आजम खान, उपाध्यक्ष पंकज तिवारी, सचिव यशवंत कौशिक, कोषाध्यक्ष श्याम गुरुजी सहित अन्य पदाधिकारियों ने देहदानी परिवार से मिलकर उन्हें 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता की। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि राजेश कुमार नायडू ने मृत्योपारांत ऑटो संघ का गौरव बढ़ाते हुए बता दिया की ऑटो चालक न केवल वाहन चलाते हुए आमजन की सेवा करता है, बल्कि देहदान कर मानव सेवा भी कर सकता है।

8.33 प्रतिशत चाहिए बोनस

कोरबा । जिले के एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन द्वारा ठेका कंपनियों को निर्देशित करते हुए अपने अधीनस्थ कामगारों को तय समय में बोनस देने की बात कही गई है,बोनस नहीं देने के स्थिति में ठेकादार का बिल भुगतान रोके जाने की बात भी कही गई है। उपरोक्त जारी पत्र में बताया गया है कि 8.33% बोनस भुगतान के संबंध में की मानकीकरण समिति की बैठक दौरान यह निर्णय लिया गया था की वर्ष 2023-24 से सभी माइनिंग में कार्यरत ठेका कामगार को 8.33 प्रतिशत की दर से बोनस दिया जाए जिसे आपके द्वारा भूगतान किया गया था। इस संबंध में आप अवगत होने की पिछले वर्ष के भांति इस वर्ष भी उस आदेश का पालन करते हुए सभी ठेका कामगार को 8.33 /बोनस 15.10.2025 से पहले भुगतान करना सुनिश्चित करें। अन्य ठेकेदार जो के तहत नहीं आते है, वैसे ठेका कंपनी को बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 के तहत बोनस भुगतान करना अनिवार्य है। ठेका कामगार को भुगतान नहीं करने की स्थिति में सम्बंधित ठेका कंपनी बिल दे पाना संभव नहीं हो पाएगा। उक्त बोनस के भुगतान को एसईसीएल मुख्यालय प्रबंधन द्वारा बड़ी गंभीरता से लिए जा रहा है, ऐसे में सभी नामांकित ठेकदारों को सख्त निर्देश दिया गया है की वर्ष 2024-25 का बोनस भुगतान समय-सीमा के भीतर करते हुए उपरोक्त कार्यालय की अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति कलाम को किया याद

कोरबा। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती एवं अखबार वितरक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने टीपी नगर स्थित कार्यालय में एकत्र होकर डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने बच्चों को चॉकलेट वितरित कर खुशियां बांटी और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत है — उन्होंने साधारण परिवार से उठकर भारत के मिसाइल मैन और जनता के राष्ट्रपति के रूप में देश को गौरवान्वित किया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने कर्म, सादगी और देशभक्ति से दिखाया कि मेहनत और लगन से कोई भी व्यक्ति नई ऊंचाइयों को छू सकता है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय कुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, रामा तपेश्वर राठौर, राय सिंह, अनिल गिरी, कृष्णा निर्मलकर, रामा और दिलीप यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश निर्माण में अखबार वितरकों की भूमिका पर चर्चा की और समाज में

बनबाँधा स्कूल में दो शिक्षक आए,पढ़ाई की व्यवस्था में कुछ सुधार

कोरबा । कोरबा जिले के पाली विकासखंड के छोटे से ग्राम बनबाँधा में स्थित प्राथमिक शाला बनबाँधा आज शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश कर रही है। कभी यह विद्यालय एकल शिक्षकीय स्कूल था, जहाँ 63 बच्चों की शिक्षा की ज़िम्मेदारी केवल एक ही शिक्षिका पर थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन की युक्तियुक्तकरण योजना के अंतर्गत यहाँ दूसरी शिक्षिका के रूप में श्रीमती उमा पाल की नियुक्ति हुई है। उन्होंने 5 जून 2025 को विद्यालय में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे अन्य विद्यालय में पदस्थ थीं, और अब इस स्कूल में जुड़कर बच्चों की शिक्षा में नई ऊर्जा लेकर आई हैं।

जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा। आयुष विभाग कोरबा द्वारा जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार को कांशी नगर कोरबा में किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति द्वारा 403 एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति द्वारा 104 मरीजों का सफल उपचार किया गया। यह आयुष स्वास्थ्य शिविर छ.ग. राज्य महोत्सव के तत्वाधान में वयोवृद्ध मरीजों का विशेष उपचार हेतु आयोजित किया गया। जिसमें वात रोग, चर्म रोग, गुदा एवं मल द्वार रोग मूत्र रोग, एनीमिया, आस्टियो आर्थोराइटिस एवं मस्कूलोस्केलेटल डिसआर्डर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मासिक धर्म में अनियमितता, श्वेत प्रदह, चर्मरोग के मरीजों का सफल उपचार किया गया।
श्री सुभाष कुमार (श्री भोलू राठौर) पार्षद वार्ड क्र. 22, पूर्व पार्षद, वार्ड क्र. 20 श्री मनहरण राठौर एवं पूर्व पार्षद श्रीमती गौरी राठौर वार्ड क्र. 15 की गरिमामय उपस्थिति में शिविर समपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. उदय शर्मा जिला आयुष अधिकारी, डॉ. पवन कुमार मिश्रा कार्यक्रम नोडल अधिकारी, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सपना मिश्रा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं छ.ग. आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी शाखा कोरबा समपन्न हुआ।

छठपर्व नजदीक ,घाटों की सफाई जल्द करें

कोरबा । महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में स्थित समस्त छठघाटों में चेजिंग रूम, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं, घाटों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, इस दिशा में अभी से कार्यवाही करें तथा यह देखें कि श्रद्धालुओं व व्रतधारियों को छठघाटों में अनावश्यक रूप से असुविधा का सामना न करना पड़े तथा उन्हें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुलभ हो सके।
महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आज आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में निगम के अधिकारियों व जोन कमिश्नरों की बैठक ली। बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि दीपावली व छठपर्व के महत्वपूर्ण त्यौहार के दौरान निगम से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर स्वरूप में सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में लगभग 36 छठघाट हैं, जहाँ छठपर्व के दौरान व्रतधारी व श्रद्धालुजन भगवान सूर्य को विधिविधान से अर्ध्य प्रदान कर पूजा अर्चना करते हैं। महापौर श्रीमती राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन छठघाट स्थलों पर आवश्यकतानुसार मरम्मत व सुधार कार्य कराएं, जे.सी.बी. व अन्य संसाधनों का उपयोग कर छठघाट स्थलों की विशेष साफ-सफाई का कार्य सुनिश्चित करें, सभी छठघाटों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो, छठघाट तक आने-जाने के मार्ग में भी पर्याप्त रोशनी हों, इसके लिए वहाँ पर पूर्व में स्थापित स्ट्रीट लाईटों को चेक कराएं तथा यह सुनिश्चित करें कि छठघाटों सहित आने-जाने के मार्ग में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो ताकि रात्रि के दौरान व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हों।सभी घाटों में हो चेजिंग रूम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के जोन कमिश्नरों व अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में स्थित सभी छठघाटों में व्रतधारियों, श्रद्धालुओं एवं विशेषकर महिला व्रतधारियों की सुविधा को देखते हुए स्नान के पश्चात चेजिंग हेतु अस्थाई रूप से चेजिंग रूम की व्यवस्था बनाएं, उन्होने कहा कि सभी छठघाटों में पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था हो व पूरे छठपर्व के दौरान छठघाटों की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करें एवं इस हेतु आवश्यक संसाधन व कर्मचारियों की तैनाती छठघाटों में करें।दीपावली व छठपर्व पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि दीपावली त्यौहार के दौरान बाजारों में ज्यादा भीड़-भाड़ रहती है, अतः विभिन्न बाजारों के समीप वाहन पार्किंग हेतु स्थल चिन्हांकन करते हुए वहाँ आवश्यक व्यवस्थाएं बनाएं ताकि सड़कों पर आवागमन सुचारू रूप से हो सके, इसी प्रकार निगम क्षेत्र में स्थित बड़े छठघाटों में भी पार्किंग की व्यवस्था हों, इस दिशा में भी कार्यवाही करें।निर्धारित स्थलों पर ही लगाई जाएं त्यौहारी दुकानेंमहापौर श्रीमती राजपूत व आयुक्त श्री पाण्डेय ने जोन कमिश्नरों व उप जोन प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दीपावली पर्व के दौरान फल, फूल, केले के पत्ते, सजावटी सामग्री तथा इनसे जुड़ी अन्य विविध सामग्रियों की चौक-चौराहों पर अनियंत्रित रूप से लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित कराएं, इस हेतु स्थलों का चिन्हाकंन करें तथा इन चिन्हाकित स्थलां पर ही दुकानें लगाई जाए, यह सुनिश्चित कराएं ताकि सड़कों का आवागमन बाधित न हों तथा आमनागरिकों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।बैठक के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, उपायुक्त नीरज कौशिक व पवन वर्मा, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, अखिलेश शुक्ला, प्रकाश चन्द्रा, एन.के.नाथ, विनोद शांडिल्य, तपन तिवारी, सुनील टांडे, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, सहायक अभियंता पीयूष राजपूत, आकाश अग्रवाल आदि के साथ अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सीएमडी ने खदान में कोयला उत्पादन गतिविधियों का लिया जायजा, उत्पादकता और परिचालन दक्षता की समीक्षा की

कोरबा। एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन ने रविवार को एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की सरायपाली कोयला खदान का निरीक्षण किया। उन्होंने खदान में उत्पादक कार्यों की समीक्षा करते हुए आने वाले दिनों में तय लक्ष्य के अनुसार कोयला उत्पादन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। एसईसीएल के उच्च प्रबंधन के अधिकारी लगातार कोरबा, कुसमुंडा, दीपका और गेवरा क्षेत्र का दौरा कर कोयला उत्पादन बढ़ाने की कोशिश में जुटे हैं। इसी कड़ी में एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने सरायपाली कोयला खदान का प्रबंधन के स्थानीय अधिकारियों के साथ दौरा किया। सीएमडी ने खदान में कोयला उत्पादन के लिए जारी गतिविधियों का अवलोकन किया और उत्पादकता और परिचालन दक्षता की समीक्षा की। सीएमडी ने कोयला खदान में उत्खनन साइट का निरीक्षण किया और लक्ष्य के अनुसार कोयला उत्पादन करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में मानिकपुर ओपन कास्ट कोल माइंस के बाद सरायपाली कोयला खदान दूसरी बड़ी ओपनकास्ट कोल माइन्स है। सरायपाली कोयला खदान की उत्पादन क्षमता 2.1 मिलियन टन है। फिलहाल खदान में डेली कोल प्रोडक्शन लगभग साढ़े चार हजार टन हो रहा है। एसईसीएल कोरबा एरिया को 8.87 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है। इस क्षेत्र में खदानों से वर्तमान लक्ष्य के मुकाबले 3.4 मिलियन टन कोयले का उत्पादन हुआ है। अन्य खदानों की अपेक्षा एसईसीएल कुसमुंडा में स्थिति ज्यादा खराब है। कुसमुंडा खदान की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 मिलियन टन है। यहां वर्तमान उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले खदान में 10.93 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ है, जबकि खदान में अब तक 22 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन की उम्मीद थी। एसईसीएल के दीपका खदान के लिए कोयला उत्पादन का वार्षिक लक्ष्य 40 मिलियन टन है। दीपका खदान से अब तक 16.75 मिलियन टन कोयला उत्पादन हो सका है। वही गेवरा खदान के लिए वार्षिक उत्पादन लक्ष्य 63 मिलियन टन है। इस खदान से अब तक 17.81 मिलियन टन कोयला उत्पादन की उम्मीद थी, हालांकि इसकी अपेक्षा खदान में लगभग एक मिलियन टन कम हुआ।

पटाखा दुकानो में आग से बचाव हेतु एडवाईजरी जारी

कोरबा दीपावली पर्व पर संचालित होने वाले स्थाई व अस्थाई पटाखा दुकानो में आग से बचाव के लिए नगर सेना अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाऐं तथा एस.डी.आर.एफ. रायपुर से एडवाईजरी जारी किया गया है। जारी एडवाईजरी में साफ कहा गया है कि पटाखा दुकानो का निर्माण बांस बल्ली और कपडे के बजाय टीन (शेड) के रूप में किया जाएं, इसके अलावा दुकानों पर 5 किग्रा क्षमता का डी.सी.पी अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे, जांच के दौरान जारी एडवाईजरी का पालन नही करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

सड़कों को सही स्थिति में लाने के लिए होगा प्रयास, कुछ लोगों का धरना कल

कोरबा । कोरबा शहर के प्रवेश मार्गो गौमाता चौक, ईमलीछापर चौक, कटघोरा रोड की बदहाली तथा शहर के भीतर सड़कों की दुर्दशा में सुधार नहीं होने पर जिला प्रशासन और नगर प्रशासन के खिलाफ 16 अक्टूबर को विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। एक सप्ताह पूर्व जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त को पत्र देकर सड़कों की दुर्दशा को सुधारने का निवेदन किया गया था। एक सप्ताह से ज्यादा बीत जाने के बाद भी सड़कों का मरम्मत नहीं किया गया।

आम जनता की ओर से दिए गए आवेदन पत्र पर प्रशासन ने कोई सकारात्मक पहल भी नहीं की, इसके विरोध में कोरबा की आम जनता और संगठनों के साथ मिलकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। कोरबा के जागरूक नेताओं और संगठनों के साथ मिलकर 16 अक्टूबर को ट्रांसपोर्ट नगर चौक में विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं नगर प्रशासन के खोखले दावे को सामने लाने के लिए और उनकी आंखें खोलने के लिए 24 अक्टूबर से गड्ढा नामकरण अभियान भी चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत शहर भर के जितने भी जर्जर सड़क एवं गड्ढे हैं वहां जाकर दोषी अधिकारियों के सदबुद्धि के लिए पूजन कर नामकरण किया जाएगा।

सड़कों की दुर्दशा पर प्रशासन के विभाग पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, एसईसीएल, एक दूसरे को जिम्मेदार बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं। इसलिए आम नागरिकों के साथ मिलकर गड्ढा नामकरण अभियान चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य जर्जर सड़कों के लिए दोषी लोगों की पहचान करना है जिनके आंख मूंदकर सोने के कारण कोरबा की जनता सड़कों को दुर्दशा से प्रताड़ित हो रही है। सत्ता पक्ष के अधिकांश पार्षद अधिकारियों के मनमर्जी और उपेक्षा से दुखी हैं, लेकिन संगठन के दबाव में खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं।

नगर निगम सभापति नूतनसिंह ठाकुर ने कहा है कि नागरिकों के मूलभूत सुविधा सडक, बिजली, पानी के लिए जनता लगातार परेशान हैं। जब निर्वाचित पार्षद अधिकारियों को समस्या बता रहे हैं तो उनकी उपेक्षा हो रही है। अधिकारी कागजी खानापूर्ति कर सरकार को गुमराह कर रहे हैं। त्यौहारी सीजन में आम आदमी सड़कों की दुर्दशा से हलाकान हो रहा है। सड़कों के धूल, गड्ढे के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। आम जनता सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पीड़ा बता रही है लेकिन जिला प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। अब सरकार को नींद से जगाने के लिए आंदोलन करना जरूरी हो गया है। धरना प्रदर्शन और गड्ढा नामकरण अभियान के बाद भी सड़कों की बदहाली दूर नहीं हुआ तो चक्काजाम और अनशन किया जाएगा।

बड़े शहरों पर अब नहीं रहना होगा निर्भर

एन.के.एच. का संकल्प समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना

कोरबा। कभी-कभी जीवन में एक घटना इंसान को इतनी गहराई से प्रभावित कर देती है कि वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प ले लेता है। कठिन परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद यदि इरादा नेक हो और लक्ष्य स्पष्ट हो तो सफलता निश्चित होती है। यही प्रेरक कहानी है डॉ. एस. चंदानी की, जिन्होंने वर्षों पहले कोरबा में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से 13 अक्टूबर, 2014 में न्यू कोरबा हॉस्पिटल की स्थापना की ।
एन.के.एच. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने समाज की सेवा में सफलतापूर्वक अपने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने कोरबावासियों के विश्वास, सहयोग और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया। हॉस्पिटल प्रबंधन ने कहा कि आने वाले वर्षों में भी एन.के.एच. आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सेवाओं के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ देने के अपने संकल्प पर दृढ़ रहेगा।
पिछले एक दशक में एन.के.एच. ने न केवल अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपनाया, बल्कि समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार विस्तार किया है। अस्पताल में आज सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर परिस्थितियों के लिए 24म7 ट्रामा एवं आपातकालीन सेवाएँ, अत्याधुनिक आई.सी.यू. एवं क्रिटिकल केयर यूनिट, हृदय व रक्तवाहिनी रोगियों के लिए कैथ लैब, तथा क्षेत्र का सबसे बड़ी विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुभवी टीम उपलब्ध है। प्रशिक्षित नर्सिंग व सहयोगी स्टाफ तथा मरीज की सुरक्षा और सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। कम खर्च में उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवा प्रदान करते हुए एन.के.एच. ने यह साबित किया है कि सेवा भावना और आधुनिक तकनीक का संगम ही सच्चा उपचार है। अस्पताल का मानना है कि मरीजों की संतुष्टि ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। अस्पताल द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, ग्रामीण व शहरी हेल्थ चेकअप कैंप और रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अस्पताल का उद्देश्य है कि हर नागरिक को गरिमा, समानता और विश्वास के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिले।
ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने कहा कि समाज के सहयोग और विश्वास के बिना यह 11 वर्षों की यात्रा संभव नहीं थी। उन्होंने सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एन.के.एच. परिवार सदैव जनसेवा और गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए समर्पित रहेगा।
11वीं वर्षगांठ के अवसर पर डॉक्टर एस. चंदानी, वंदना चंदानी और डॉक्टर एस. पालीवाल ने केक काटकर समारोह की शुरुआत की। इस अवसर पर डॉ. अविनाश सिंह, डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. एस.पी. पांडेय, डॉ. नीलेश भट्ट, डॉ. मनीष गोयल, डॉ. चंदा भट्ट, डॉ. नागेंद्र बागरी, डॉ. सुदिप्ता साहा, डॉ. संजना सक्सेना, डॉ. हरीश सोनी, डॉ. सचिन, डॉ. अमन, डॉ. यशा मित्तल, डॉ. रिया दुबे सहित अन्य डॉक्टर एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अस्पताल के प्रबंधन ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए यह भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी एन.के.एच. समाज को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा ।

मरीज के परिजन बनकर चिकित्सालय घुस करते थे चोरियां

युवक फुटेज में लिफ्ट का केबल ले जाते दिखे जाने पर पकड़ाए

कोरबा । कोरबा अंचल में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला चिकित्सालय में पूर्व में ऑक्सीजन के पाइप, केबल की चोरी की घटना के बाद सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती की गई। बावजूद इसके टॉयलेट से नलों की टोटी, केबल व अन्य उपकरण चोरी की घटना हो रही थी। खासकर ट्रामा सेंटर बिल्डिंग से चोरियां हो रही थी। सिक्योरिटी गार्डो द्वारा निगरानी करने के बाद भी चोरी करने वाले पकड़ में नहीं आ रहे थे। ऐसे में चिकित्सालय प्रबंधन व सिक्योरिटी एजेंसी की टीम अस्पताल में लगे सीसी कैमरे के फुटेज पर नजर रख रही थी। असिस्टेंड मेडिकल सुपरिटेंडेट डॉ. रविकांत जाटवर को सीसी फुटेज पर ट्रामा सेंटर बिल्डिंग की ओर दो संदिग्ध युवक नजर आए, जो बाइक में कुछ बांधकर ले जा रहे थे। ऐसे में उन्होंने सिक्योरिटी गार्डों को जानकारी देकर घेराबंदी कराई। इस दौरान बाइक में दो युवक लिफ्ट का केबल बांधकर ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़े गए। चिकित्सालय प्रबंधन ने उन्हें सिविल लाइन पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। चिकित्सालय प्रबंधन ने पिछले कुछ दिनों का सीसी कैमरे का फुटेज खंगाला तो पता चला कि उक्त युवक कभी मरीज बनकर तो कभी मरीज का परिजन बनकर चिकित्सालय में पहुंचता था। वार्ड में घूमने के बाद मौका पाकर वह चोरी करता था।

जिले के कृष्णा को संभागीय अधिमान्यता समिति में किया नामजद

6.jpeg

कोरबा । राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ समाचार मीडिया प्रतिनिधि अधिमान्यता नियम के अनुसार राज्य स्तरीय एवं संभाग स्तरीय अधिमान्यता समिति का गठन किया गया है। संभागीय अधिमान्यता समिति बिलासपुर में कोरबा जिले से श्री कृष्ण कुमार राठौर ब्यूरो प्रमुख छत्तीसगढ़ वाच को सदस्य बनाया गया है। उक्त समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी सेवा संवर्ग की पदक्रम सूची जारी

कोरबा। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा द्वारा जिले के अतर्गत स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी सेवा संवर्ग की 01 अप्रैल 2025 की स्थिती में अन्तिम पदक्रम सूची जारी किया गया है ।

लखीसराय जिले का पर्यवेक्षक बनाए जयसिंह को

कोरबा । पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को एआईसीसी ने बिहार में अगले माह होने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार राज्य के लखीसराय जिले का पर्यवेक्षक बनाया है । जिसके तहत् पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, सोमवार को लखीसराय पहुचकर कांग्रेस जिला मुख्यालय के दफ्तर में कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक लेकर अगले माह होने वाले चुनाव के लिए तैयारियों का जायजा लिया और बेहतर परिणाम के लिए रणनीति पर काम करने आव्हान किया ।
पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि इंडिया महागठबंधन एकजुट है, बिहार चुनाव के महागठबंधन में कांग्रेस अपने कोटे की सभी उम्मीदवार को विधानसभा के साथ - साथ राजद के सभी उम्मीदवारों के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेंगे और महागठबंधन की सरकार बनाएंगे ।
पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा में प्रतिबद्ध लोगों को आगे लाना होगा । ऐसे लोग जो विपरीत परिस्थिति में भी चट्टान की तरह कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े रहे हैं । बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा को सर्वाधिक जनसमर्थन मिला है । वर्तमान माहौल को देखने से लग रहा है कि बिहार की जनता महागठबंधन को स्पष्ट एवं मजबूत जनादेश देंगी । बिहार में कांग्रेस पार्टी अच्छा प्रर्दशन करेगी । श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नफरत फैलाने वाले तत्वों का निडर होकर सामना करना होगा । कांग्रेस पार्टी एवं कांग्रेसजन हमेशा से सविंधान तथा देश की जनता के कल्याण की परवाह करते आ रही है। बैठक में कोरबा नगर पालिक निगम के पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं बिहार राज्य के लखीसराय जिले के कांग्रेस नेता उपस्थित थे ।

डा. विशाल ने कहा,सड़क खुद बनावाएंगे इस ईलाके की

कोरबा । कोरबा अंचल के निहारिका क्षेत्र कोसाबाड़ी में कृष्णा और एनकेएच अस्पताल जाने का रास्ता इतना खराब है, कि मरीजों की जान आफत में पड़ जाती है। मेन रोड से महज 150 मीटर सड़क पर गड्ढों के चलते मरीज हिचकोले खाने को मजबूर है। नगर निगम ने सड़क बनाने 3 साल पहले 50 लाख रुपए का टेंडर जारी किया था। टेंडर निजी कॉलोनी बताकर निरस्त कर दिया गया। अब कॉलोनी प्रबंधन इसे निगम को हैंडओवर करने की बात कह रहा है।

मंगलम विहार कॉलोनी में कृष्णा हॉस्पिटल और इसके बाद न्यू कोरबा हॉस्पिटल का संचालन हो रहा है। यहां 10 परिवार भी रहते हैं। कॉलोनी में 2007 में प्लॉट की बिक्री हुई थी। मेन रोड से कॉलोनी जाने गेट लगा था। कॉलोनी में कच्ची सड़क ही थी। चिकित्सालय बनने के बाद इस रोड पर चहल-पहल बढ़ गई, लेकिन सड़क पक्की नहीं हो पाई। इस कच्ची सड़क पर 100 से अधिक गड्ढे हैं। इसी से होकर रोजाना मरीजों को अस्पताल पहुंचना होता है। सड़क पर हिचकोले खाने से मरीजों की जान पर बन आती है।

बताया जा रहा हैं की गंभीर मरीजों के लिए यह सड़क किसी खतरे से कम नहीं है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि नगर निगम को टैक्स देने के बाद भी सुविधाएं नहीं मिल रही है। कृष्णा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. विशाल उपाध्याय का कहना है कि सड़क खराब होने से सभी को परेशानी हो रही है। निगम सड़क नहीं बनाती है, तो मरीजों और लोगों की समस्या को देखते हुए मैंने खुद ही सड़क बनवाने का निर्णय लिया है। मंगलम विहार प्रबंधन ने कहा कि कॉलोनी बनाने में निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियम-शर्तों का पालन किया है। सड़क-नाली भी बनाई गई थी। इसके बाद निगम को हैंडओवर कर दिया गया। 2009 में निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने सर्टिफिकेट भी दिया है। आश्रय शुल्क भी जमा है। निगम ने अनुज्ञा राशि 10 लाख रुपए वापस की है। कॉलोनी से निगम को हर साल करीब 5 से 6 लाख रुपए प्रॉपर्टी टैक्स मिलता है। इसलिए कॉलोनी के लोग निगम से सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं। चिकित्सालय से ही सबसे अधिक टैक्स जमा होता है। इसके बाद भी जमीन को निजी बताकर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मेन रोड से चिकित्सालय के बीच करीब 20 मीटर निजी जमीन होना बताया जा रहा है। यहां डब्ल्यूबीएम सड़क है। सड़क बनाने में यह भी विवाद का कारण था। कई लोगों ने निजी कॉलोनी में सड़क बनाने का विरोध किया था। इसके बाद निगम सड़क बनाने से पीछे हट गया। कॉलोनी के पीछे भी गेट है, लेकिन उसका उपयोग नहीं हो रहा है। नगर निगम कोसाबाड़ी जोन कमिश्नर भूषण उरांव का कहना है कि निजी कॉलोनी होने से सड़क नहीं बनी। इसके लिए टेंडर भी हो चुका था, बाद में निरस्त किया गया। कॉलोनी हैंडओवर होने की जानकारी नहीं है।

न्यू कोरबा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने कहा निगम को सड़क बनाने कई बार पत्र लिख चुके हैं। हर साल प्रॉपर्टी टैक्स भी जमा कर रहे हैं। इसके बाद सड़क नहीं बनाई जा रही है। निगम प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।

रेलवे लगाएगा अपना वाटर ट्रीटमेंट प्लांट

कोरबा । रेलवे स्टेशन परिसर कोरबा में रेलवे एक ओवरहेड टैंक के साथ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराएगा। निर्माण में आने वाले खर्च से यह साफ है कि प्लांट के बनने के बाद न केवल रेलवे स्टेशन क्षेत्र वरन रेलवे की कॉलोनियों में रहने वाले कर्मचारियों को जल संकट से बड़ी राहत मिलेगी। अभी जल आपूर्ति की जो व्यवस्था है, वह अपर्याप्त साबित हो रही है। यही कारण है कि गर्मी में प्लेटफॉर्म में पानी की आपूर्ति अक्सर बाधित होती रहती है। प्लेटफार्म नंबर 2-3 पर तो कई सालों से पीने के पानी की आपूर्ति ही नहीं हो रहा है। दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के मंडल रेलवे प्रबंधक (अभियंता) इस काम को कराएगा। इसके तहत कोरबा रेलवे स्टेशन में वाटर ट्रीटमेंट प्लाट के साथ ही उच्च क्षमता का ओवरहेड टैंक का भी निर्माण कराया जाएगा। दोनों ही निर्माण कार्य के लिए रेलवे की ओर से विभाग को 2 करोड़ 45 हजार 332 रुपए दिया गया है। इस राशि से निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। दोनों ही निर्माण कार्य 12 माह में पूरा करने की बाध्यता होगी। कोरबा रेलखंड में ही रेलवे कर्मचारियों की संख्या 1100 से अधिक है। इनके लिए रेलवे की ओल्ड और न्यू कॉलोनी है। दोनों ही कॉलोनियों को मिलाकर लगभग 900 अधिकारी-कर्मचारी को आवासीय सुविधा मिल रही है। लगभग 200 से अधिक रेल कर्मचारियों को शहर व उपनगर में किराए का मकान लेकर रहना पड़ रहा है। कर्मचारी आवासों तक पानी की सप्लाई गर्मी में अनियमित हो जाती है। अगर सभी कर्मचारियों के लिए रेलवे आवास उपलब्ध कराता है तो यह समस्या और भी बढ़ जाएगी। भविष्य में परेशानी न हो, इसलिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व ओवरहेड टैंक का निर्माण कराना है।

योग्य व्यक्ति के हाथों में होगी जिले में कांग्रेस की कमान

सक्ती। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे देश भर में संगठन सुजन अभियान के अंतर्गत प्रत्येक जिलों में कांग्रेस पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पर्यवेक्षक भेजे जा रहे हैं, तथा पर्यवेक्षक जहां जिलों में जाकर एक-एक कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर रहे हैं तो वहीं कांग्रेस कमेटी का मानना है कि पार्टी के एक एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की पसंद से से जिला अध्यक्ष बनेगा तथा पिछले दिनों अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संगठन सूजन अभियान का शुभारंभ हुआ था एवं श्रृंखला में जिला मुख्यरूप शक्ति में भी कांग्रेस पार्टी का क्या जिला अध्यक्ष चयन करने के लिए उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तथाहरियाणा प्रदेश के प्रभारी विवेक बंसल पहुंचे, उनके साथ शक्ति जिले में सहयोगी के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद इंग्रिड मैकलाऊड़ एवं गरियाबंद के विधायक जनक राम के साथ में थे पत्रकार वार्ता का अयोजन स्थानीय स्थित रिसोर्ट में किया गया, जहां कार्यक्रम का संचालन करते हुए विधायक प्रतिनिधि अमित राठौर ने पत्रकार वार्ता के संबंध में जानकारी दी, स्वागत संचालन करते हुए स्थानीय विधायक तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का जिला अध्यक्ष बनने के लिए आज विवेक बंसल जी एवं उनके सहयोगी आए हैं, एवं इस जिला अध्यक्ष के चयन में मेरी भी नहीं चलने वाली है तथा आप सभी अपनी को भी बातें रखना चाहते हैं, पर्यवेक्षक जी के सामने रखें तथा जिलाध्यक्ष का चयन पार्टी के योग्य एवं ईमानदार व्यक्ति के रूप में किया जाएगा तथा ऐसे किसी भी व्यक्ति को जिता अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा जो की पार्टी छोड़कर और भी लोगों को लेकर दूसरी पार्टियों में जाते हैं। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव एवं पर्यवेक्षक विवेक बंसल ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी के नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष महिष्कार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के दिशा निर्देश पर मुझे शक्ति जिले में भेजा गया है,तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के अन्य कई जिलों में भी मुझे पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मैंने विगत दिनों प्रदेश में लगभग 7 दिनों का प्रयास किया था तथा अब फिर से मुझे 7 दिनों की जिम्मेदारी मिली है, एवं शक्ति जिले में भी कांग्रेस पार्टी योगा व्यक्ति एवं ईमानदार तथा निष्वाठावान कार्यकर्ता को जिता अध्यक्ष के रूप में चयन करना चाहती है, एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की इप से ही जिला अध्यक्ष चुना जाएगा, बंसल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित पटों है तथा एक एक कार्यकर्ता स्वयं अपने आप में बड़े ताकतहोता है, एवं कांग्रेस का जिला अध्यक्ष जो कि उस जिले का पार्टी का प्रमुख है, उसकी बातों को सभी लगे माने, सभी लोग सुने एवं संगठन हित में वह काम करें, इन सभी सोच के साथ जिला अध्यक्ष बनाना है तथा जिला अध्यक्ष के कपन में कोई उम्र सीमा निर्धारित नहीं की गई है, एवं कांग्रेस के किसी भी मोर्चा प्रकोष्ठ सेवा काल में काम करने वाला व्यक्ति काग्रेस का जिला अध्यक्ष बन सकता है, विवेक बंसल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस देश की सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी है, एवं आज कांग्रेस ने जो काम इस राष्ट्र के हित में किए हैं उसे कभी नहीं बुलाया जा कता एवं इंदिरा गांधी जी की प्रेरणा से उनके अशीर्वाद से ही आज सभी काग्रेस के कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर रहे हैं एवं जिले में भी आप सभी की एकजुटता से आने वाले समय में नया जिला अध्यक्ष के साथ चुना जाएगा।

ग्राम देवता हरचन लाल मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

चांपा। नगर के रामबांधा तालाब चैपाटी मार्ग स्थित ग्राम देवता हरचन लाल मंदिर के पुनर्निर्माण पश्चात रविवार 12 अक्टूबर को मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आचार्य पं. कृष्णा द्विवेदी द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया।

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम स्थानीय मां सम्लेश्वरी व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष तथा पूर्व जमीदार कुंवर भिवेन्द्र बहादुर सिंह तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सविता देवी सिंह ने विधि-विधान से सम्पन्न किया। इसके बाद दोपहर 12 बजे से मंदिर के समक्ष आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को अपरान्ह 3 बजे तक प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर कुंवर भिवेन्द्र बहादुर सिंह के अलावा प्रमुख रुप से कृष्णा राव भूरे, अनिल वनकर, विजय सोनी, रमेश देवांगन, वासुदेव सोनी, ऋषि देवांगन, संतोष सोनी, वासुदेव सोनी, महेन्द्र देवांगन, छोटे मिस्त्री, सुशील मोदी, किशोर गोदेजा, अजय थवाईत के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराये जाने के बाद शुभमुहुर्त देखकर रविवार को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह मंदिर नगर के लोगों की आस्था का बड़ा केन्द्र है। श्रद्धालु जन इसे नगर की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर के पुनर्जागरण का प्रतीक मान रहे है।

ज्ञानोदय में पालक, शिक्षक सम्मेलन आयोजित

जांजगीर नैला। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को अभिभावकों और विद्यालय के मध्य आपसी संवाद और सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक पैरेंट्स मीटिंग (अभिभावक-शिक्षक बैठक) का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

अभिभावकों के स्वागत हेतु विद्यालय प्रांगण को शिक्षिका श्रीमती मीना यादव के नेतृत्व में सुंदर रंगोली से सजाया गया, जिससे वातावरण अत्यंत मनोहर एवं उत्सवमय बन गया।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं अभिभावकों के बीच छात्रों की प्रगति, अनुशासन और शिक्षा की गुणवत्ता पर सार्थक चर्चा हुई।

इस बैठक का संचालन एवं संपूर्ण आयोजन प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव के मार्गदर्शन और समस्त स्टॉफ के सहयोग से किया गया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि अभिभावक और शिक्षक दोनों ही बच्चे के सर्वांगीण विकास के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जब दोनों मिलकर कार्य करते हैं, तो बच्चों की प्रतिभा को नई दिशा और ऊँचाई मिलती है।

बैठक के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, उपस्थिति, अनुशासन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से संबंधित विस्तृत जानकारी अभिभावकों को दी। साथ ही, अभिभावकों ने भी विद्यालय की शिक्षण पद्धति, अनुशासन व्यवस्था, तथा विद्यार्थियों की प्रगति को लेकर अपने विचार और सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई में नियमित रूप से रुचि लें और शिक्षकों से समय-समय पर संवाद बनाए रखें।

बैठक के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण सौहार्दपूर्ण, प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद रहा।यह पैरेंट्स मीटिंग न केवल अभिभावकों और विद्यालय के बीच विश्वास को और मज़बूत करने का माध्यम बनी, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण के प्रति एक नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार भी हुआ।अंत में, सभी उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने यह संकल्प लिया कि वे मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग करेंगे।

धान खरीदी में सूखत के प्रावधान की मांग, आंदोलन करेंगे समिति के कर्मचारी

जांजगीर चांपा। धान खरीदी में सूखत का प्रावधान करने सहित अन्य मांगों को लेकर जिले के समिति कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की आउट सोर्सिंग से भर्ती और अफसरों को बिना शर्त और जिम्मेदारी तय किए धान खरीदी प्रभारी बनाने का विरोध किया जाएगा। सहकारी समिति कर्मचारियों की रविवार को रायपुर में बैठक हुई। कई जिले से समिति कर्मचारी शामिल रहे। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के बाद आगामी दिनों में चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया। सहकारी समिति कर्मचारी संघ और छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ की संयुक्त बैठक की गई। 2 वर्षों में खरीदी केन्द्रों में जो सूखत आया इस पर चर्चा की गई। वर्ष 2025-26 में होने वाली धान खरीदी में सुखत का प्रावधान, कम्प्यूटर ऑपरेटरों की आउट सोर्सिंग से भर्ती का विरोध किया जाएगा। राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य पर 15 नवंबर से धान खरीदी की जाएगी। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी करने की घोषणा की गई है।

समिति कर्मचारियों ने बताया कि 24 अक्टूबर को जिला स्तर पर रैली निकाली जाएगी। समिति कर्मचारी प्रशासन को अपनी मांग और समस्याओं से संबधित ज्ञापन सौंपेंगे। वहीं 28 को प्रदेश स्तर पर रैली निकाली जाएगी और ज्ञापन सौंपा जाएगा। मांग पूरी नहीं होने पर 3 नवंबर से संभाग स्तरीय आनिश्चित कालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। 12 नवंबर से प्रदेश स्तरीय आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। 14 अक्टूबर 2025/ छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित सैनिक स्कूल में शिक्षा सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की जाएगी। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की अधिकारिक व े ब स ा इ ट www.nta.ac.in एवं https://e&am.nta.ac.in/sainik-school-society पर 30 अक्टूबर 2025 शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान शासन की प्राथमिकता है, अतः प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लें और समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आगामी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस कार्यक्रमों की तैयारी के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में 02 नवंबर से 04 नवंबर 2025 तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा शासन की उपलब्धियों, योजनाओं एवं परियोजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही, स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएँ, जिनमें छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की झलक दिखाई दे। उन्होंने 01 से 05 नवंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों के शासकीय भवनों पर रोशनी करने के निर्देश दिए। साथ ही निजी संस्थानों को भी भवनों में रोशनी करने हेतु प्रोत्साहित करने कहा। स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं हितग्राही मूलक योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार इस योजना से जुड़ें। पात्र हितग्राहियों को आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी की सुविधा और जनसमर्थ पोर्टल के जरिए मिलने वाले बैंक ऋण की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए तथा नोडल अधिकारी सुनिश्चित करें कि योजना की जानकारी हर घर तक पहुँचे।

कलेक्टर ने जिले में आगामी धान खरीदी की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के किसानों का ई-केवाईसी आधार सीडिंग कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बम्हनीडीह जनपद के ग्रामों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा। 14 अक्टूबर 2025/ छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव एवं स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत पिपरदा, पुछेली, खपरीडीह, सोनाईडीह एवं गोविंदा का भ्रमण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी स्वच्छाग्राही से गांव में हो रहे कचरा कलेक्शन के गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के विषय में विस्तार से चर्चा किया। ग्रामीणों द्वारा घर से देने वाले कचरे को अलग अलग करने हेतु आग्रह एवं सभी लोगो को प्रेरित किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अपने गाँव की संपूर्ण स्वच्छता के लिये, प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता कि दिशा में कदम बढ़ाना होगा। उन्होंने यूजर चार्जेस एवं प्रोत्साहन राशि के विषय में चर्चा कर स्वच्छाग्रहियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग व रखरखाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान स्वच्छाग्रही के अध्यक्ष ,सचिव, समूह की दीदियां व गांव के सरपंच, सचिव, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय टास्क फोर्स की वेबसाइट का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा। उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 08 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय टास्क फोर्स की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया है। जिला बाल सरंक्षण अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय टास्क फोर्स की वेबसाइट

URL://ntf.education.gov.in पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, संस्थागत प्रतिनिधियों, उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों के लिए एक केंद्रीय मंच तैयार किया गया है, जहाँ से वे मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण में सुधार से संबंधित अपने विचार और सुझाव साझा कर सकते हैं। जानकारी एकत्र करने हेतु वेबसाइट पर अंग्रेजी एवं हिंदी, दोनों भाषाओं में ऑनलाइन सर्वेक्षण प्रश्नावली उपलब्ध कराई गई है। इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तथा संस्थागत प्रतिनिधियों के विचारों को एकत्रित कर नीति निर्माण में उपयोग करना है। जिले के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से आग्रह किया है कि वे उक्त लिंक के माध्यम से अपने सुझाव एवं जानकारी अपडेट करें, ताकि छात्र कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस सुधार किया जा सके।

फटाका दुकानों के आसपास ऐसा कुछ न हो जिससे अनहोनी को मजबूती मिले

जांजगीर-चांपा। आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर जिले में पटाखों के सुरक्षित उपयोग व अग्नि सुरक्षा के उपायों के संबंध में नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी सुश्री योग्यता साहू ने नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही गुणवत्ता युक्त पटाखे खरीदें, ताकि दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सके। पटाखे हमेशा खुले स्थानों जैसे पार्क या मैदानों में ही जलाएं, इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर रहें। पटाखे जलाते समय पास में पानी की बाल्टी या रेत रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपयोग किया जा सके। साथ ही, सुती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आसानी से आग पकड़ लेते हैं। पटाखे जलाते समय हमेशा किसी व्यस्क की देखरेख में ही बच्चे पटाखे चलाएं। इस्तेमाल किए गए पटाखों को पानी की बाल्टी में डालकर सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी चिंगारी से आगजनी की घटना न हो। उन्होंने कहा कि एक समय में एक ही पटाखा जलाएं और आग लगाने के बाद उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। साथ ही, हवा की दिशा का ध्यान रखें, जिससे कि चिंगारियां घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़ें।

क्या न करें - जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी बताया कि घर के अंदर, खिड़कियों के पास या बंद स्थानों पर पटाखे न जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें, क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकते हैं। ज्वलनशील पदार्थों, सूखी पत्तियों, गैस सिलेंडर या वाहनों के पास पटाखे न जलाएं। यदि कोई पटाखा नहीं जलता है, तो उसे दोबारा जलाने का प्रयास न करें, बल्कि कुछ देर प्रतीक्षा कर सुरक्षित रूप से उसका निपटान करें। इसके अलावा, तेल के दीये या मोमबत्तियां जलाते समय उन्हें उपेक्षित न छोड़ें, विशेष रूप से पर्दों या ज्वलनशील पदार्थों के पास। किसी भी प्रकार की चोट या जलने की स्थिति में तुरंत चिकित्सक की सलाह लें और बिना सलाह के घरेलू उपचार करने से बचें।

कटनी के लोगों ने प्रशासन के पास पहुंचकर समस्याएं बतायी

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन पर अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के दुरस्थ स्थलों से आए आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं को सुना। आज जनदर्शन में कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर उपस्थित थे।

जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी रमाशंकर कटकवार द्वारा राशन कार्ड बनवाने एवं दिव्यांग पेंशन दिलाने, तहसील बलौदा के ग्राम औराईखुर्द निवासी घनेश्वर दास द्वारा बेजा कब्जा हटाने, जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम देवरी निवासी गणपत सूर्यवंशी द्वारा राम लाल दर्शन योजना के तहत लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम पंचायत कटनी (देवरी) निवासी श्रीमती अर्चना बाई द्वारा आवास प्लस में नाम जुड़वाने, तहसील चांपा के ग्राम हथनेवरा निवासी केवल प्रसाद सूर्यवंशी द्वारा सीमांकन करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

हथनेवरा में कई लोगों को लगाई चपत

जांजगीर। चांपा थाना क्षेत्र के ग्राम हथनेवरा में दूसरे की जमीन दिखाकर 30 लाख रुपए में बेचने का मामला सामने आया है। जांच में पता चला कि जिस भूमि की रजिस्ट्री की गई, वह किसी और की थी।

पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने वाले पति-पत्नी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में आरोपी पति गौतम राठौर को कोरबा से गिरफ्तार कर लिया है। इसमें उसके साथ विधायक बालेश्वर साहू भी आरोपी हैं। राजकुमार शर्मा ने एसपी को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी रीता शर्मा के नाम पर वर्ष 2017 में ग्राम हथनेवरा में खसरा नंबर 9/3 पर 30 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री शारदा राठौर द्वारा की गई। जमीन का सौदा 30 लाख रुपए में हुआ। इसे गौतम राठौर ने दलाल के रूप में करवाया। राजकुमार शर्मा ने आरोप लगाया है कि गौतम राठौर और उसकी पत्नी शारदा राठौर ने घटोली चौक स्थित इंडियन गैस एजेंसी के पास सड़क से लगी जमीन दिखाकर 50 हजार रुपए प्रति डिसमिल के हिसाब से सौदा तय किया था। बाद में पता चला कि दिखाई गई जमीन और रजिस्ट्री की गई जमीन अलग-अलग हैं। शिकायत के बाद चांपा पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई की है।पुराने पटवारी ने भी जमीन मालिक की पुष्टि की शिकायत के बाद जांच में पता चला कि जिस जमीन को देखकर उसने सौदा किया था, वह गंगेश्वर पटेल व देवेन्द्र पटेल पिता गिरधारी पटेल की है। बी-1 खतौनी, पटवारी रिपोर्ट व गवाहों के बयान से पता चला कि गौतम राठौर व शारदा राठौर ने दूसरी भूमि दिखाकर फर्जी दस्तावेज से सौदा किया। पूर्व पटवारी पतिराम श्रीवास ने भी पुष्टि की कि भूमि गंगेश्वर पटेल के स्वामित्व में है और गौतम राठौर ने अपनी पत्नी के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनवाकर बेच दिया।

कागजों से भी 10,463 स्कूलों का अस्तित्व मिटेगा,डीपीआई ने जारी की गाइडलाइन

जांजगीर। जांजगीर-चांपा के 366 समेत प्रदेश के 10463 स्कूलों का अस्तित्व अब शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड से मिटने जा रहा है। इसमें एक ही परिसर में चल रहे 10297, ग्रामीण क्षेत्र में 1 किमी दायरे में मौजूद 133 व शहरी क्षेत्र में 500 मीटर दूरी में चल रहे 33 स्कूल शामिल हैं। युक्तियुक्तकरण के तहत इनके छात्रों व शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में मर्ज किया जा चुका है।

स्कूल बंद करने के अंतिम चरण में अब लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने इन स्कूलों के यूडाइस (यूनिफाइड डिस्ट्रक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) नंबर को खत्म करने का निर्णय लिया है। इस बारे में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के अनुसार पुराने स्कूलों के यू-डाइस नंबर समाप्त करने के लिए पुराने स्कूल की शाला प्रबंधन समिति निष्क्रिय कर नए स्कूल में नई समिति बनाई जाएगी। उनके बैंक खाते, बिजली कनेक्शन, मध्याह्न भोजन, भवन, पुस्तकालय सब बंद कर दिए जाएंगे। केन्द्र सरकार से मिलने वाला अनुदान भी अब पुराने स्कूल की जगह उन स्कूलों के यू-डाइस नंबर में ट्रांसफर होगा, जिसमें बच्चों को मर्ज किया गया है। गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण में स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों के संविलियनीकरण दूसरों स्कूलों में किया गया था। इस दौरान दावा किया गया था कि स्कूलों को बंद नहीं किया जा रहा बल्कि मर्ज किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में स्कूलों के यू डाइस नंबर बंद नहीं किए जाएंगे। और उन स्कूलों की पहचान उससे बनी रहेगी।

न्यायालय तहसीलदार कोरबा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202509050400013
रा.प्र.क्र.-/अ-21(2)/2024-25
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी/आवेदक अभ्र कुमार पिता श्री अलिक भूषण जाति ब्राम्हण निवासी मकान नंबर एलआईजी-140 महाराणा प्रताप नगर कोरबा तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा-1 स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 24/5/क/5 रकबा 0.0080 हे./945 वर्गफीट भूमि को प्रस्तावित क्रेता वाहिद अंसारी पिता मोबारक अंसारी जाति मुस्लिम निवासी वार्ड क्रमांक 14 मैगजीन भाठा पंप हाउस कोरबा के पास आम बाजार मूल्य अनुसार विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ.(रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 31.10.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार मनेन्द्रगढ़
जिला- मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

क्रमांक/1049/वाचक-1/2025
मनेन्द्रगढ़, दिनांक 13.10.2025

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र./202509330100024/
अ-21(5)/2024-25
विकास कुमार एवं अन्य प्रति श्रीमती नीलिमा खेड़िया

सर्व साधारण जनता ग्राम मनेन्द्रगढ़ प.ह.नं.14, रा.नि.मं. मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि न्यायालय कलेक्टर मनेन्द्रगढ़, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के रा.प्र.क्र./202509330100024/अ-21(5)/2024-25 आवेदक विकास कुमार श्रीवास्तव आ. स्व. मुरारी प्रसाद श्रीवास्तव एवं अन्य 06 सभी की ओर आम मुख्तार विकास खेड़िया आ. स्व. कैलाश कुमार खेड़िया, सभी निवासी ग्राम वार्ड नं. 17 रिंग रोड मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा ग्राम मनेन्द्रगढ़ प.ह.नं. 14 स्थित भूमि खसरा नं. 67/19 रकबा 0.061 हे. भूमि आवेदकगण के नाम पर दर्ज है। आवेदित भूमि व्यपवर्तित भूमि है। आवेदकगण परिवारिक कारणों से धन की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका श्रीमती नीलिमा खेड़िया पति तरूण खेड़िया , निवासी स्वर्ण भूमि रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय किये जाने हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के समक्ष प्रस्तुत किया है जो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से जांच प्रतिवेदन दिये जाने हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त विक्रय के संबंध में कोई भी ग्रामीण/नगरीय जनता अपना आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना चाहते है तो दिनांक 30.10.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति/दावा पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार, मनेन्द्रगढ
जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

अनमोल वचन......

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाही है पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।

आखिर समाधान क्या है?

कथित जातीय उत्पीड़न के मामले अक्सर सामने आते हैं। मामला शांत होने तक हर बार यही चर्चा होती है कि आज भी किस हद तक जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई. पूरन कुमार की आत्म-हत्या को संस्थागत जातीय उत्पीड़न की मिसाल बताया गया है। कुमार ने सात अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने 15 वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और जातिगत भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए। स्वाभाविक है कि मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। इसी समय मध्य प्रदेश की एक घटना भी सुर्खियों में है। इसके मुताबिक दमोह जिले में एक ओबीसी युवक को कथित रूप से जबरन एक ब्राह्मण व्यक्ति का पैर धोकर पानी पिलाया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सामाजिक संगठनों ने वहां विरोध प्रदर्शन किया।

ये घटनाएं कोई अजूबा नहीं हैं। अक्सर विभिन्न क्षेत्र के संस्थानों से लेकर गांव-देहात तक से कथित जातीय उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं। जब तक मामला शांत नहीं होता, उसको लेकर यही चर्चा होती है कि भारतीय समाज में आज भी जातिवाद और जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। कुछ जातियों को उत्पीड़क बता कर या सदियों से मौजूद जातीय उत्पीड़न की चर्चा कर इंसाफ के पैरोकार आगे बढ़ जाते हैं। वे यह सवाल नहीं उठाते कि सौ-डेढ़ सौ साल से इसी तरह का विमर्श जारी रहने, संविधान में तमाम भेदभाव खत्म करने के स्पष्ट प्रावधान होने और साढ़े तीन दशक से सामाजिक न्याय की राजनीति के हावी रहने के बावजूद हालात क्यों नहीं बदले हैं। ये कठिन और असहज करने वाले प्रश्न हैं। इनकी तह में जाने पर नजर आएगा कि खुद किस तरह जातिगत पहचान और प्रतिनिधित्व को सामाजिक न्याय का पर्याय बना कर इसके पैरोकारों ने सारा विमर्श जातिवाद पर केंद्रित कर दिया है। इससे वंचित समूहों के बीच व्यापक एकता और समाज के आधुनिकीकरण की संभावनाएं क्षीण हो गई हैं। नतीजतन, जाति के विनाश का वह लक्ष्य पीछे छूट गया है, जिसे केंद्र में रखकर आधुनिक भारत के निर्माण की परियोजना शुरू की गई थी। इससे कुछ नेता-परिवारों और मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों को अवश्य लाभ हुआ है, मगर जातिवाद या जमीनी स्तर पर जातीय भेदभाव को खत्म करने का मार्ग और बाधित ही हुआ है।

राशिफल

मेष आज का दिन ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। पुराने अटके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहना मिलेगी। व्यापारियों को नए सौदे या साझेदारी का अवसर मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन का तनाव दूर होगा। जल्दबाजी में कोई आर्थिक निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा पर मानसिक शांति बनाए रखें।

वृषभ आर्थिक दृष्टि से आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। कोई पुराना निवेश अब लाभ दे सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी और जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा।

मिथुन आज का दिन उत्साह और नई योजनाओं से भरा रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी जो आपके लिए लाभदायक रहेंगी। प्रेम जीवन में स्थिरता आएगी।

कर्क आज का दिन थोड़ा मिश्रित रहेगा। भावनात्मक रूप से अस्थिरता महसूस हो सकती है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में एकाग्रता बनाए रखना आवश्यक है, अन्यथा छोटी भूलें बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। पारिवारिक सलाह आपके लिए उपयोगी रहेगी।

सिंह आज का दिन आपके लिए प्रगति और सफलता लेकर आया है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या सम्मान मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए भी आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा और किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

कन्या आज धैर्य और संयम से काम लेना जरूरी होगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय करें। किसी अजनबी या नए व्यक्ति पर अधिक भरोसा न करें। परिवार में सहयोगपूर्ण माहौल रहेगा, पर कार्यभार के चलते थकान महसूस हो सकती है। विद्यार्थियों को ध्यान केंद्रित रखने की आवश्यकता है।

तुला आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। नए संपर्क बन सकते हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक रूप से स्थिति मजबूत बनी रहेगी और खर्चों में नियंत्रण रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। परिवार में किसी पुराने विवाद का समाधान संभव है।

वृश्चिक आज का दिन सतर्कता बरतने का है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, पर आप अपनी ईमानदारी और बुद्धिमानी से परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ पाएंगे। धन लाभ के अवसर बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में सहयोग और प्रेम बना रहेगा। सिरदर्द या थकान जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।

धनु आज आपकी योजनाएँ सफल होंगी। नए अवसर मिल सकते हैं और कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। परिवार में आनंद और उत्सव का माहौल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। यात्रा के योग शुभ हैं। सेहत में सुधार के संकेत हैं।

मकर आज का दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कामकाज में व्यस्तता रहेगी, पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नया निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है। पारिवारिक मतभेद बातचीत से सुलझ सकते हैं।

कुंभ आज का दिन आत्मचिंतन और भविष्य की योजनाएँ बनाने के लिए उपयुक्त है। किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले परामर्श अवश्य लें। कार्यस्थल पर सहयोगियों से तालमेल बनाए रखना आवश्यक है। आर्थिक रूप से स्थिति सामान्य रहेगी, पर अचानक खर्च संभव हैं। परिवार में स्नेह और सामंजस्य बढ़ेगा। ध्यान या संगीत से मानसिक शांति मिलेगी।

मीन आज का दिन सकारात्मकता से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में प्रेम और सहयोग बना रहेगा। विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और सेहत उत्तम रहेगी।

तालिबानी अब हमारे सखा है!

//श्रुति व्यास//

कुछ दिनों से भारत में एक ही ख़बर है! और वह एक तालिबानी के दौरे की है। बाक़ी सब कुछ, चाहे बिहार चुनाव हो, सीट बँटवारे की जोड़-बाकि, या ग़ाज़ा में युद्धविराम की खबर, सब साइडलाइन पर खिसक गए हैं। दिल्ली का फोकस केवल तालिबान पर केंद्रित है। और यह सिर्फ़ जिज्ञासा नहीं है। हाँ, उन्हें चलते, बोलते, कैमरे के सामने सहज होते देखना एक तमाशे जैसा है, लेकिन तालिबान प्रतिनिधिमंडल खुद भी जानता है कि यह ध्यान उनके काम आता है। भारत में यह उनका मौका है — दिखने, सुने जाने और शायद थोड़ा घूमने-फिरने का भी।

इस पूरे सप्ताह के नज़ारे के केंद्र में हैं आमिर ख़ान मुत्ताक़ी, तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री। वही मुत्ताक़ी जिनकी यात्रा पर अब भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत आंतकी के नाते पाबंदी है, वे अब दिल्ली के झूमरों के नीचे तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, लेकिन 2021 में पद संभालने के बाद उनकी दसवीं विदेश यात्रा। उनमें से पाँच क़तर, तीन पाकिस्तान, और दो-दो चीन, ईरान और तुर्की के लिए थीं। अब दिल्ली भी उस सूची में शामिल हो गया है। और दिल्ली से उनका जुड़ना प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। 10 अक्टूबर को मुत्ताक़ी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाक़ात की, भारत द्वारा अफ़ग़ानिस्तान भेजी जा रही एम्बुलेंसों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, और काबुल में भारतीय दूतावास फिर से खोलने पर चर्चा की जो चार साल पहले तालिबान की सत्ता वापसी के बाद बंद कर दिया गया था। मुत्ताक़ी के मुँह से अच्छे दोस्त और जयशंकर के बयान में करीबी सहयोग जैसे शब्द दर्शाते हैं कि भारत की नीति में यह बदलाव संयोग नहीं, सुविचारित है।

चार साल पहले तक यह सब असंभव लगता था। 2021 में जब अमेरिका ने अफ़ग़ानिस्तान से वापसी की समयसीमा तय की, तो दिल्ली स्तब्ध थी।

15 अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्ज़े ने भारत को रातों-रात दूतावास और वाणिज्य दूतावास बंद करने पर मजबूर कर दिया।

हज़ारों अफ़ग़ान छात्र, व्यापारी और मरीज़ अचानक फँस गए। भारत ने एक झटके में लगभग सभी वीज़ा रद्द कर दिए। वह क्लिक आतंक और पलायन दोनों का प्रतीक था।

लेकिन कूटनीति, जैसे शक्ति, खालीपन को बर्दाश्त नहीं करती। सिर्फ़ एक साल में भारत ने फिर से संतुलन साधना शुरू किया।

जून 2022 में एक तकनीकी दल चुपचाप काबुल भेजा गया ताकि मानवीय सहायता की निगरानी कर सके।

2023 के अंत तक तालिबान अधिकारियों को भारतीय वीज़ा मिलने लगे, दिल्ली में उनके प्रतिनिधि नियुक्त हुए और मुंबई व हैदराबाद में वाणिज्य दूतावास खुले। जो संपर्क मानवीय कहलाया था, वह धीरे-धीरे औपचारिक संवाद में बदल गया। यह परोपकार नहीं, रणनीतिक समायोजन था – यह स्वीकारोक्ति कि तालिबान कोई गुजरती लहर नहीं बल्कि इस क्षेत्र की नई और स्थायी वास्तविकता है। और अगर दिल्ली पीछे रहती, तो चीन, ईरान और रूस अफ़ग़ानिस्तान के अगले अध्याय को उसके बिना लिख देते।

यहाँ एक गहरी विडंबना भी है। एक हिंदू राष्ट्रवादी सरकार, जो अपने भीतर सभ्यतागत विमर्श और इस्लाम के प्रति अविश्वास पर टिकी है, अब अपने पड़ोस में एक इस्लामी थियोक्रेसी के साथ बैठी है। जिस नेतृत्व की वैचारिक पहचान भीतर विरोध पर टिकी है, उसके लिए तालिबान का दिल्ली में स्वागत एक साथ विरोधाभास भी है और व्यावहारिकता भी। क्योंकि विदेश नीति शायद ही कभी घरेलू राजनीति की परछाई होती है।

भारत इस समय जिस नीति का अभ्यास कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की क्लासिक यथार्थवादी धारा है – रियलिज़्म – जिसे हांस मॉर्गेन्थाउ और केनेथ वाल्ट्ज ने परिभाषित किया था- राष्ट्र आदर्शों से नहीं, हितों से चलते हैं। इस दुनिया में न स्थायी दोस्त होते हैं, न स्थायी दुश्मन – सिर्फ़ स्थायी बेचैनियाँ। भले ही भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति धार्मिक द्वंद्व पर चलती है, उसकी विदेश नीति इन सीमाओं से काफ़ी आगे निकल चुकी है। यह ऑफ़ेंसिव रियलिज़्म है – सिद्धांतों से ऊपर शक्ति, निष्ठा से ऊपर लाभ। तालिबान के साथ संवाद और अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिकी सैन्य वापसी के ख़िलाफ़ भारत का अप्रत्यक्ष रुख़, उसे रूस, ईरान और चीन द्वारा परिभाषित महाद्वीपीय सहमति के निकट ला रहा है – वह क्षेत्रीय यथार्थवाद जो अमेरिका-उत्तर युग का चेहरा बन रहा है।

इसकी तुलना अतीत से करें। 2001 के बाद दो दशकों तक भारत की अफ़ग़ान नीति लगभग पूरी तरह वॉशिंगटन के अनुरूप रही।

तालिबान को पाकिस्तान की परियोजना माना गया – आईएसआई की उपज, वैचारिक रूप से कट्टर, और दिल्ली के लिए यादगार एक प्रतीक – आईसी-814 अपहरण और भारतीय इंजीनियरों की हत्या। वह सरेखण स्वाभाविक था, आवश्यक भी। पर भू-राजनीति भी स्मृति की तरह क्षणिक होती है। आज वही शक्तियाँ जो कभी तालिबान से लड़ीं, उन्हें अपने उपयोग के योग्य पा रही हैं। मॉस्को में पिछले सप्ताह मुत्ताक़ी ने चेताया कि आईएसआईएस-खुरासान का दायरा बढ़ रहा है – एक तालिबान मंत्री अब आतंकवाद-रोधी भाषा बोल रहा है। यह एक असाधारण उलटफेर है, पर अनिवार्य भी।

यह पाखंड नहीं, विकास है – वह कंस्ट्रक्टिविस्ट यथार्थ, जिसमें राज्य नैतिकता से नहीं, परिस्थितियों से ढलते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब उसी शासन से वार्ता कर रहा है जिसे कभी उसने कोसा था – क्योंकि दोनों के नीचे की ज़मीन बदल चुकी है। अफ़ग़ानिस्तान अब अमेरिका के नैतिक युद्धों का मंच नहीं; यह यूरेशियाई यथार्थवाद की सीमा रेखा है। आईएसआईएस-के के हमलों ने अफ़ग़ानिस्तान से ईरान और रूस तक नई दरारें खींच दी हैं। यहाँ तक कि चीन भी शिनजियांग में इसके फैलाव से चिंतित है। इस परिदृश्य में तालिबान – निर्दयी पर स्थिर – अराजकता से बेहतर विकल्प बन गए हैं, एक बफ़र जो अराजकता को थामे हुए है। रूस, ईरान और मध्य एशियाई देशों के लिए तालिबान से संवाद सुरक्षा आवश्यकता बन चुका है।

भारत के लिए यह रणनीतिक विवशता है। उसकी प्राथमिक चिंता वही है – अफ़ग़ान ज़मीन भारत के ख़िलाफ़ इस्तेमाल न हो। मुत्ताक़ी ने दिल्ली की इन संवेदनाओं को समझते हुए यही आश्वासन दोहराया है।

पर भारत की दिलचस्पी सुरक्षा से आगे जाती है – वह पश्चिम एशिया के उन परिवहन मार्गों में अपना पैर जमाए रखना चाहता है जो चीन की बेल्ट एंड रोड पहल और पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के संतुलन हैं – ईरान का चाबहार बंदरगाह और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर। काबुल के साथ संवाद इस गणना में पूरी तरह फिट बैठता है – विवेक पर नहीं, उपस्थिति पर ज़ोर; नैतिकता पर नहीं, पहुँच पर निवेश।

फिर भी यह यथार्थवाद अपने भीतर असहजता रखता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब एक ऐसे शासन का मेज़बान है जो महिलाओं को अदृश्य बना देता है। जब मुत्ताक़ी की प्रेस कॉन्फ़्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया, तो कूटनीति और नैतिकता के बीच की खाई साफ़ दिखी।

लेकिन विदेश नीति सदाचार से नहीं, संतुलन से चलती है। भारत का यह नया संवाद तालिबान को वैधता नहीं देता – बस अलगाव की सीमाओं को स्वीकार करता है। पश्चिम अब भी दूरी बना रहा है, पर क्षेत्र आगे बढ़ चुका है। लोकतंत्र बनाम आतंक की रेखा अब स्थिरता बनाम रिक्तता के समीकरण में बदल चुकी है। विडंबना यह है कि बीस साल पहले भारत तालिबान को हराने के लिए अमेरिका के साथ खड़ा था।

आज वह रूस, ईरान और चीन के साथ बैठा है उन्हें संभालने के लिए। जो कभी विचारधारा था, अब भूगोल है।

दिल्ली में तालिबान की मौजूदगी अजीब लग सकती है, पर यह हमारे समय की सच्चाई को पकड़ती है, एक ऐसी दुनिया की, जो अब नैतिक युद्धों से थक चुकी है, जहाँ सीमाएँ विचार से नहीं, विवेक से खिंचती हैं। फिलहाल, दिल्ली और काबुल के रिश्ते भरोसे से नहीं, आवश्यकता से बंधे हैं। यह समझौता कितना टिकेगा यह, हमेशा की तरह, इस पर निर्भर करेगा कि कौन तेज़ी से बदलता है, सही कौन है, इससे नहीं।

वह गांव, जिसे समय ने भुला दिया

//सतीश झा//

एक प्रधानमंत्री ने कभी दावा किया था कि उसने सौ मिलियन गरीबों के बैंक खाते खुलवाए हैं। मैंने उन खातों की पासबुकें देखीं। पहली एंट्री-जीरो। अगली—कुछ नहीं। दस साल बाद भी वे पासबुकें नीतियों के कब्रिस्तान की निशानियां हैं। एक घर में मुझे चौथी कक्षा का बच्चा मिला। वह एक अंकों का जोड़ कर लेता था, लेकिन दो अंकों में अटक जाता। तीन अक्षरों से आगे उसकी स्पेलिंग टूट जाती। लेकिन उसकी आँखों में उम्मीद थी। वह उम्मीद जो किसी सूखे खेत में भी हरियाली का भरोसा देती है। पर सच्चाई यह है कि ऐसे बच्चों के लिए उम्मीद का कोई ठोस कारण नहीं है। क्योंकि हमने ढांचा नहीं बदला, बस भाषण बदले हैं।

आज़ादी के अठहत्तर साल बाद भी भारत में बराबरी की मंज़िल मृगमरीचिका है। हालांकि रास्ता अभी भी है यदि हम उपेक्षा से आगे देखने की हिम्मत करें। मैं पटना से कुछ मील दूर एक गाँव की चौहद्दी पर खड़ा था। गंगा की धुंध अब भी यहां स्मृति की तरह ठहरी रहती है, मानो समय को छोड़ने में हिचकती हो। सुबह का आरंभ था। कौओं की कांव-कांव और हैंडपंपों की खटखट एक दूसरे में घुल रही थी। हैंडपंपों की आवाज़ें, कौओं की कांव-कांव और गलियों में जमा कीचड़, सब मिलकर एक परिचित दृश्य बना रहे थे।

मैंने उम्मीद के साथ उस गांव में कदम रखा, उस उम्मीद के साथ जो तमाम निराशाओं के बावजूद जीती रहती है। सोचा, आज़ादी के इतने साल बाद और इस राज्य पर उन्हीं समुदायों के लोगों के शासन में आने के तीन दशक बाद, अब तो कुछ बदला होगा। अब तो वो बच्चे जिनके बाप-दादा ने सड़कें बनाईं, नालियाँ साफ़ कीं और जिनकी मेहनत से यह देश खड़ा हुआ, उनमें कम-से-कम वही आज़ादी उनके हिस्से भी आई हुई होगी।

लेकिन सच्चाई किसी गुस्से के रूप में नहीं, बल्कि एक थकान-भरे समर्पण के रूप में सामने आई। लोगों की आंखों में एक तरह की शांति थी। मानों उन्होंने हार को मान लिया हो। बातचीत से अंदाज़ा लगा कि उनकी सालाना आय मुश्किल से 18 हजार रू से ज्यादा नहीं थी। मतलब दो सौ डॉलर यानी उतनी, जितनी किसी शहर में चार लोगों का एक डिनर खर्च हो जाता है। गाँव का स्कूल ढहने की कगार पर था, पढ़ाई का स्तर सौ में एक अंक से ज़्यादा नहीं कहा जा सकता। आँगनवाड़ी का दरवाज़ा तभी खुलता जब ऊपर से निरीक्षण की सूचना मिलती। उस दिन बच्चों को पंक्ति में खड़ा कर दिया जाता, स्लेटें बाँट दी जातीं, एक गीत सिखाया जाता और शिक्षा पूरी हो जाती। बाकी दिन वहाँ सन्नाटा रहता।

गाँव के बाहर खुली नालियाँ, बदबू, मक्खियों का झुंड और गंदगी की मोटी परत, यही रोज़मर्रा की ज़िंदगी है। एक स्थानीय कार्यकर्ता ने चंदे से जो छोटी पक्की गली बनवाई थी, वही दिखाती थी कि अगर सरकारें काम छोड़ दें तो भी किसी एक व्यक्ति की कोशिश क्या कर सकती है।

यह भारत के दलित हैं। वे लोग जो देश की मेहनत की रीढ़ हैं, लेकिन जिन्हें पहचानने वाला कोई नहीं। उनके वोट से सत्ता बदलती है, लेकिन उनकी ज़िंदगी नहीं। जिनके हाथ दूसरों के घर बनाते हैं, पर अपने घर की छत अब भी टपकती है। उनकी इज़्ज़त हर चुनाव के साथ खोखले वादों में दफ़्न हो जाती है।

एक प्रधानमंत्री ने कभी दावा किया था कि उसने सौ मिलियन गरीबों के बैंक खाते खुलवाए हैं। मैंने उन खातों की पासबुकें देखीं। पहली एंट्री-जीरो। अगली–कुछ नहीं। दस साल बाद भी वे पासबुकें नीतियों के कब्रिस्तान की निशानियां हैं। एक घर में मुझे चौथी कक्षा का बच्चा मिला। चेहरे पर चमक और मुस्कान भरी हुई। वह एक अंकों का जोड़ कर लेता था, लेकिन दो अंकों में अटक जाता। तीन अक्षरों से आगे उसकी स्पेलिंग टूट जाती। लेकिन उसकी आँखों में उम्मीद थी। वह उम्मीद जो किसी सूखे खेत में भी हरियाली का भरोसा देती है। मैंने सोचा, अगर इसे सही माहौल, सही स्कूल और सही शिक्षक मिलें तो यह बच्चा कुछ भी बन सकता है–वैज्ञानिक, कवि, इंजीनियर, या उस भारत का नागरिक जिसे हमने कभी सपना कहा था।पर सच्चाई यह है कि ऐसे बच्चों के लिए उम्मीद का कोई ठोस कारण नहीं है। क्योंकि हमने ढांचा नहीं बदला, बस भाषण बदले हैं।

यह 2025 का भारत है–जहां मंगलयान भी है, अरबपति भी हैं, लेकिन ऐसे गांव भी हैं जहाँ लोगों की सबसे बड़ी आकांक्षा है किसी तरह जी लेना। अठहत्तर साल पहले अंग्रेज़ों का झंडा नीचे हुआ था, लेकिन बेड़ियां बस और मज़बूत हो गईं। किसी देश की असली पहचान उसके महलों से नहीं, बल्कि उसके सबसे गरीब नागरिक की ज़िंदगी से होती है। हम लोकतंत्र हैं, लेकिन गरीब-अमीर की भयावह असमानता में जीते हैं। हम आज़ादी का वादा करते हैं, पर नियति सौंप देते हैं।

मैंने देखा है कि देश कैसे बदलते हैं–दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों ने भी गरीबी से शुरुआत की थी, पर इरादा पक्का था। उन्होंने समझ लिया था कि शिक्षा कोई दान नहीं बल्कि पूंजी है।

अगर भारत सच में ठान ले कि हर बच्चे को सच्ची शिक्षा मिले, तो एक पीढ़ी में देश बदल सकता है। मेरे हिसाब से अगर हर बच्चे पर सालाना हज़ार डॉलर खर्च किए जाएँ–दस साल लगातार–तो गरीबी और अज्ञान की जड़ें काटी जा सकती हैं।

यह पैसा किताबों या यूनिफ़ॉर्म पर नहीं, बल्कि ऐसे स्कूलों पर लगे जो चलें; ऐसे शिक्षकों पर जो पढ़ाएँ; ऐसे कमरों पर जो बच्चों को प्रेरित करें। इसके साथ पोषण, साफ़ पानी, स्वास्थ्य और इंटरनेट की पहुँच मिले–यानी गरिमा का पूरा ढाँचा। और बारह साल में वही बच्चा दस हज़ार डॉलर सालाना कमाने लायक बन जाए–अपने परिवार का नहीं, देश का भविष्य बदलने वाला नागरिक।

यह सपना असंभव नहीं–यह गणित है। कोरिया ने किया, चीन ने किया, तो भारत क्यों नहीं।

समस्या विचारों की नहीं, इच्छा की है।

हम जानते हैं क्या करना चाहिए, लेकिन करते नहीं।

अफ़सरशाही अपने ढर्रे पर अटकी है, नेता भाषणों में व्यस्त हैं, और अमीर तबका बस तमाशा देखता है।

विकास अब अनुभव नहीं, शो बन गया है–टीवी पर दिखने वाला इंडिया शाइनिंग का इवेंट।

हमारे नीति-निर्माता डेमोग्राफिक डिविडेंड की बात करते हैं, लेकिन बिना शिक्षा के युवा पूंजी नहीं, बोझ होते हैं। वो देरी से फटने वाला बम हैं।

हमारी व्यवस्था ने लापरवाही को सामान्य बना दिया है।

अगर दस साल का बच्चा पढ़ना नहीं जानता, तो किसी को फर्क नहीं पड़ता।

शिक्षक का स्कूल से गायब रहना आम बात है।

सरकारी स्कूल में टूटा शौचालय बस रिपोर्ट की फुटनोट बनता है।

लेकिन जब मूर्तियों, स्टेडियमों और सम्मेलनों की बात आती है तो अरबों रुपए निकल आते हैं।

हम दुनिया को ताक़त दिखाते हैं, पर अपने घर की अंधेरी गलियों में रोशनी नहीं कर पाते।

जब मैं लौटने लगा तो बच्चे पीछे-पीछे आए। उन्होंने पूछा, आप क्या करते हैं।

मैंने कहा, मैं लिखता हूँ।एक बच्चा बोला, हमारे बारे में लिखिए।

मैंने वादा किया, लिखूँगा।पर शब्दों से आगे कुछ करना होगा।

हमें एक नैतिक जागरण चाहिए। यह समझ कि भारत की कहानी अधूरी है जब तक इसके दलित बच्चे उपेक्षा में जीते रहेंगे। वे दान के पात्र नहीं, इस देश के बराबर हिस्सेदार हैं। अगर मैं एक राष्ट्रीय मिशन बना सकता, तो उसका नाम होता–भारत नवजीवन अभियान। राज्य, निजी क्षेत्र और समाज–तीनों मिलकर यह ठानें कि हर गरीब बच्चे पर सालाना हज़ार डॉलर खर्च होंगे–सहायता नहीं, बीज के रूप में। सभी खर्च पारदर्शी और जवाबदेह हों। स्कूल माता-पिता के प्रति ज़िम्मेदार हों, नेता-अफसर के नहीं।

तस्वीरों की दुनिया

छत्तीसगढ़ के उर्जाधानी कोरबा के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में प्रदेश सरकार के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा दीप प्रच्वलित कर 25वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

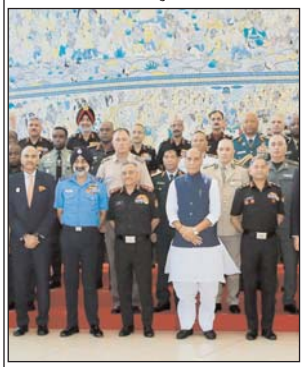

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में चीफ्स कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र के दौरान एक समूह तस्वीर में।

नई दिल्ली में मानेकशॉ सेंटर में चीफ्स कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में एकत्रित होते हुए लोगों को श्री राजनाथ सिंह संबोधित करते हुए।

विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल नई दिल्ली में विधिक सूचना प्रबंधन एवं ब्रीफिंग प्रणाली का उद्घाटन करते हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैदराबाद हाउस, नई दिल्ली में प्रेस वक्तव्य को संबोधित करते हुए।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला और मंगोलिया के राष्ट्रपति, श्री खुरेलसुख उखना के साथ नई दिल्ली में नए संसद भवन का दौरा करते हुए।

असीम मुनीर पाकिस्तान के सबसे अलोकप्रिय पाक सेना प्रमुख, पाकिस्तान में न्यायपालिका हुई शक्तिहीन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर अपने देश के इतिहास के सबसे अलोकप्रिय सैन्य शासकों में से एक हैं। पाकिस्तानी समाचार वेब पोर्टल ग्लोबल विलेज स्पेस की रिपोर्ट में मंगलवार को विस्तार से बताया गया कि पाकिस्तान ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां फील्ड मार्शल असीम मुनीर विभाजन की राजनीति कर रहे हैं।घरेलू स्तर पर उनकी वैधता लगातार कमजोर होती जा रही है। मुनीर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जातीयता और क्षेत्रीय पहचान को हथियार बना रहे हैं। न्यायपालिका अब शक्तिहीन हो गई है। जो जज सैन्य अतिक्रमण पर सवाल उठाने की हिम्मत करते हैं, उन्हें तबादले, इस्तीफे या निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है।पुलिस और खुफिया एजेंसियों को राजनीतिक दमन के औजारों में बदल दिया गया है। पत्रकारों पर सेंसरशिप लगाया जा रहा है। सेना द्वारा समर्थित सरकार न तो नीतियां बना सकती है और न ही जनादेश का दावा कर सकती है। जनता के बीच असंतोष चरम पर है।

दिल्ली में बेघर लोगों को वैकल्पिक स्थलों पर स्थानांतरित करने की कोई गुंजाइश नहीं

नईदिल्ली, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि डीएमआरसी के निर्माण कार्य के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बेघर लोगों को प्रस्तावित स्थलों पर स्थानांतरित करने की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि इन जगहों पर पहले से ही अधिकतम लोग रह रहे हैं।29 अगस्त को नाल्सा को निर्देश जारी कर उससे डीएमआरसी के काम के कारण बेघर लोगों के लिए आश्रय गृहों के स्थानांतरण का निरीक्षण करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। इसके बाद यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई। रिपोर्ट में सराय काले खां और आनंद विहार स्थित आठ आश्रय गृहों में रहने वाले लोगों के लिए प्रस्तावित स्थलों पर पर्याप्त संख्या में लोगों के रहने की व्यवस्था पर नाल्सा ने अपनी टिप्पणी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, सबसे पहले तो किसी भी वैकल्पिक स्थल पर स्थानांतरण की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज अधिकतम संख्या नाल्सा टीम के दौरे के दौरान पाई गई संख्या से ज्यादा है। इसलिए, किसी भी दिन अगर आश्रय गृह अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच जाते हैं तो वहां बिस्तरों की कोई जगह उपलब्ध नहीं होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानांतरण में लोगों के रोजगार के अवसरों और उनकी शिक्षा को ध्यान में रखा जा सकता है क्योंकि कुछ वयस्क अपने मौजूदा आश्रय गृहों के पास काम करते हैं और कुछ बच्चे पास के स्कूलों में जाते हैं।नाल्सा ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि कुछ लोगों ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआइबी) द्वारा प्रस्तावित स्थलों पर स्थानांतरित होने में अनिच्छा व्यक्त की है।रिपोर्ट में कहा गया है, जब इन आश्रय गृहों का दौरा किया गया तो पाया गया कि वहां रहने वाले परिवारों की संख्या दो से छह के बीच थी, जिनमें बच्चे भी शामिल थे।

किसी भी प्रस्तावित स्थल पर स्थानांतरण के लिए यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था आवश्यक होगी कि परिवार के सदस्य एक ही आश्रय कक्ष में एक साथ रहें। नाल्सा टीम ने राष्ट्रीय राजधानी में कई आश्रय गृहों का दौरा किया, जिन्हें मेट्रो निर्माण कार्य के कारण स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रस्तावित पुनर्वास स्थलों के दौरे के दौरान यह पाया गया कि निजामुद्दीन बस्ती, फूल मंडी, चाबी गंज और गंदा नाला में अधिकांश सुविधाएं बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा तो करती हैं, मगर वहां कुछ कमियों भी नजर आईं।

कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली 15 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान वाले 32 देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में मंगलवार को बगैर किसी देश का नाम लिए कहा कि कुछ देश खुले तौर पर अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जबकि बहुत से ऐसे हैं जो अगली सदी में अपना वर्चस्व जमाने के लिए नए नियम गढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि भारत पुरानी पड़ चुकी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है।राजनाथ सिंह ने कहा कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए हमें एक सुधार वाले बहुपक्षवाद की आवश्यकता है। एक ऐसी व्यवस्था जो वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे, सभी हितधारकों को अधिकार दे, समकालीन चुनौतियों का समाधान करे और मानव कल्याण पर ध्यान केंद्रित करे।उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक मिशन में भारत के योगदान का भी उल्लेख किया।

सिंडिकेट बैंक धोखाधड़ी मामला

घर खरीदारों को मिले फ्लैट, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के प्रयासों को सराहा

नई दिल्ली। 200 से अधिक घर खरीदारों की संपत्ति वापस दिलाने के लगातार और सफल प्रयास करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सराहना की है। इन खरीदारों के फ्लैट सिंडिकेट बैंक (अब केनरा बैंक) से जुड़े 1,267.79 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में फंस गए थे और फ्लैटों पर उनका कब्जा अनिश्चित काल के लिए टल गया था। इस धोखाधड़ी (2011-16) में भारत बंब और अन्य शामिल थे, जिन्होंने बैंक से 1,267.79 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। मुख्य आरोपित भारत बंब ने अपराध की आय का इस्तेमाल रॉयल राज विलास और उसके डेवलपर मेसर्स उदयपुर व?र्ल्ड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को हासिल करने के लिए किया था। उसने अवैध वित्तीय लेन-देन का एक ऐसा जटिल जाल बिछाया था जिससे घर खरीदारों को उनके फ्लैट मिलने में देरी हुई और वे उनसे वंचित हो गए थे। यह मामला सबसे पहले सीबीआई द्वारा भरत बंब और अन्य के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकियों से शुरू हुआ था। सीबीआई आरोप-पत्र के अनुसार, आरोपितों ने अपने या परिवार के सदस्यों के नाम पर कंपनियों और फर्मों के माध्यम से 1267.79 करोड़ रुपये की हेराफेरी की।ईडी ने 1 जून, 2016 में जांच शुरू की थी। उसने आरोपितों की संपत्तियां जब्त कीं और धोखाधड़ी करने वाले डेवलपर्स को दंडित करने व घर खरीदारों के अधिकारों को बहाल करने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी।शीर्ष अदालत ने अपने 10 अक्टूबर के आदेश में रायल राजविलास के 200 से अधिक घर खरीदारों को राहत देते हुए ईडी द्वारा कुर्क किए गए उनके फ्लैटों को मुक्त कर दिया है। हालांकि 11 फ्लैटों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी कुर्की जारी रहेगी। इन फ्लैटों के अपराध की आय का हिस्सा होने का संदेह है।

पटना में गैस सिलेंडर से लदा ट्रक स्कूली बच्चों की भीड़ में घुसा, बड़ा हादसा टला

फुलवारीशरीफ, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

थाना क्षेत्र के गुलिस्तान मोहल्ले में मंगलवार की दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। स्कूलों की छुट्टी के समय जब सैकड़ों स्कूली बच्चे सड़क पर घर लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार गैस सिलेंडर लदा ट्रक अनियंत्रित होकर भीड़ में घुस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक शराब के नशे में था। ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी कई साइकिल और मोटरसाइकिलों को टक्कर मारी।स्थानीय लोगों की सतर्कता से वाहन ट्रांसफार्मर से टकराने से पहले ही रुक गया, जिससे एक भीषण हादसे से बाल-बाल बचाव हो गया। यदि ट्रक ट्रांसफार्मर से टकराता, तो आग लगने की संभावना थी और पूरा इलाका चपेट में आ सकता था।

यह घटना इस्लामिया बीएड कालेज के सामने चुनौती कुआं इसापुर रोड पर हुई।मौके पर अफरातफरी मच गई। गुस्साए लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर जमकर पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि स्कूलों की छुट्टी के समय इलाके में पुलिस की तैनाती अनिवार्य की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। थाना अध्यक्ष (एडिशनल) दिवाकर कुमार ने बताया कि चालक शराब के नशे में पाया गया है। उसे हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, विभिन्न इलाकों से चोरी के मामलों में तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मुंबई-गुजरात के स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद त्योहार से पहले रेलवे का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। दीपावली और छठ त्योहारों से पहले पश्चिम और मध्य रेलवे ने भीड़भाड़ से बचने के लिए अपने प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। इसमें मुंबई के सीएसएमटी और बांद्रा टर्मिनस शामिल हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्लेटफार्म टिकटों की बिक्री पर यह प्रतिबंध 15 से 31 अक्टूबर तक मुंबई के बांद्रा टर्मिनस और निकटवर्ती गुजरात के वापी, उधना और सूरत स्टेशनों पर लागू रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य त्योहारी भीड़ के बीच स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुचारू आवाजाही और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

केरल में हिजाब पहनकर स्कूल जा सकेगी मुस्लिम छात्रा, शिक्षा मंत्री ने मांगी जांच रिपोर्ट

तिरूअनंतपुरम, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कोच्चि में ईसाई समुदाय द्वारा संचालित प्राइवेट स्कूल को निर्देश दिया कि वह मुस्लिम छात्रा को हिजाब पहनकर पढ़ाई जारी रखने दें। स्कूल प्रशासन से इस मामले में रिपोर्ट भी मांगी गई है। शिवनकुट्टी ने यह निर्देश एर्नाकुलम के शिक्षा उपनिदेशक द्वारा पेश रिपोर्ट के बाद जारी किया।

जांच रिपोर्ट में पाया गया कि स्कूल की ओर से गंभीर चूक हुई है। पल्लुरुथी स्थित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल ने आठवीं कक्षा की छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर उसके अभिभावक के साथ विवाद बढ़ने के बाद सोमवार को दो दिन के लिए बंद कर दिया था। मामले का पता तब चला जब छुट्टियों की घोषणा करते हुए प्रिंसिपल सिस्टर हेलेना आरसी द्वारा जारी पत्र इंटरनेट मीडिया पर सामने आया।प्रिंसिपल ने लिखा कि बिना यूनिफार्म के आई छात्रा, उसके माता-पिता और कुछ लोगों के दबाव बनाने और हंगामा के कारण मानसिक तनाव का हवाला देते हुए कुछ छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने छुट्टी मांगी थी। इसलिए अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया।

जालंधर में घर में घुसकर 15 वर्षीय लड़की का किया अपहरण, पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोचा

जालंधर, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

जालंधर के फेज-1 स्थित पंजाब एवेन्यू में एक घर में घुस कर दातर के बल पर लड़की का अपहरण करने वाले तीन आरोपितों को थाना सात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की पहचान बहराइच, यूपी के रहने वाले अखिलेश कुमार, नीरज और नेपाली मूल के दीपक के रूप में हुई है। तीनों आरोपित मिठ्ठापुर में रहते हैं।आठ दिसंबर को पंजाब एवेन्यू फेज एक में रहने वाली एक किशोरी का तीन युवकों ने दिनदहाड़े अपहरण कर लिया था। दीपक (42) निवासी ग्राम कुसम खेला, पाल्पा (नेपाल) जो पंजाब एवेन्यू, फेज-एक, जालंधर के बयानों पर दीपक तथा उसके साथी गोलू और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज किया गया है।दीपक ने थाना सात की पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सात अक्टूबर उक्त तीनों आरोपित गेट फांदकर उसके घर में जबरदस्ती घुस आए। जब उनसे इस घर में आने का कारण पूछा तो आरोपितों ने खुलेआम कहा कि वे उसकी 15 वर्षीय बेटी को अपने साथ ले जाने आए हैं। विरोध करने पर आरोपितों ने उसे थप्पड़ मारे और दातर दिखाकर धमकाया। उन्होंने जबरन उसकी नाबालिग बेटी को कमरे से बाहर खींच लिया और शादी करने की नीयत से अपने साथ ले गए। पीड़ित पिता ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया और लड़की को भी बरामद कर लिया। तीनों को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है और पूछताछ की जा रही है।

मोदी मेरे सबसे अच्छे दोस्त..., शहबाज शरीफ की ओर देखकर बोले ट्रंप, शर्म से पानी-पानी हो गए पाक पीएम

गाजा, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

मिस्त्र में सोमवार को गाजा शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप समेत दुनियाभर के कई नेता शामिल हुए। गाजा युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद सभी नेता एक मंच पर आए। इस दौरान मंच पर कुछ ऐसा हुआ, जिसने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को असहज कर दिया।डोनल्ड ट्रंप ने मंच से पाकिस्तान की तारीफ की लेकिन इसी दौरान भारत और नरेन्द्र मोदी की भी प्रशंसा कर दी। ट्रंप ने शहबाज की तरफ देखकर भारत को सराहा तो वे झेंप गए। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर उनको पसंद हैं लेकिन वह यहां नहीं है। प्रधानमंत्री शरीफ जरूर यहां हैं। ट्रंप ने पलटते हुए अपने पीछे खड़े शरीफ से पूछा कि आप कहां हैं।इस पर शहबाज शरीफ झेंप गए लेकिन किसी तरह स्थिति को संभालते हुए ट्रंप की तरफ मुस्करा दिए। हालांकि बात यहीं खत्म नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के नेता काफी अच्छे हैं। इस दौरान नरेन्द्र मोदी की तारीफ करने के बाद ट्रंप शरीफ की ओर मुड़ गए और एक तरह से उनका रिएक्शन जानना चाहा। इससे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के चेहरे पर शर्मिंदगी साफ दिखी। डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बाद कहा कि भारत एक महान देश है और उसके नेता मेरे अच्छे दोस्त हैं। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे। इतना कहकर ट्रंप ने फिर अपने पीछे खड़े शहबाज शरीफ को देखा तो उन्होंने ट्रंप की हां में हां मिला दी। शरीफ के साथ हुए इस वाकये की इंटरनेट मीडिया पर काफी चर्चा है।गाजा के लिए स्थायी शांति और समृद्धि के लिए ट्रंप घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करते हुए उन्हें एक खूबसूरत युवा महिला बताया। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिका में किसी महिला को सुंदर कहा जाए तो यह उसके राजनीतिक जीवन को खत्म कर सकता है, लेकिन मैं अपनी किस्मत आजमाना चाहूंगा।ट्रंप की यह टिप्पणी सुनकर मेलोनी मुस्कुरा दीं। ट्रंप ने मेलोनी की ओर मुड़ते हुए कहा कि आपको सुंदर कहे जाने में कोई आपत्ति नहीं है, है ना। क्योंकि आप सुंदर हैं। इसके बाद उन्होंने मेलोनी को अद्भुत नेता बताते हुए कहा कि इटली में लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं और वे एक बेहद सफल राजनीतिज्ञ हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि मेलोनी शिखर सम्मेलन में आने की इच्छुक थीं और उन्होंने ऐसा कर के प्रशंसनीय कार्य किया। गाजा शांति शिखर सम्मेलन के दौरान तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी से मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें स्मोकिंग छोड़ देनी चाहिए. पास में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद थे और ये बात सुन वो हंस पड़े। मैक्रों हंसते हुए कहा, यह नामुमकिन है।मेलोनी ने भी मजाकिया अंदाज में राष्ट्रपति एर्दोगन को जवाब दिया।

दिल्ली समेत कई हाई कोर्ट के जजों का तबादला

नई दिल्ली। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में कई जजों का मंगलवार को तबादला किया गया। इन जजों के तबादलों की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने अगस्त में की थी।राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस अवनीश झिंगन तथा केरल हाई कोर्ट की जस्टिस चंद्रशेखरन सुधा को दिल्ली हाई कोर्ट में तबादला कर दिया गया है, वहीं, दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस तारा वितस्ता गंजू को क्रमशः राजस्थान हाई कोर्ट और कर्नाटक हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार गुजरात हाई कोर्ट से जस्टिस सीएम राय और इलाहाबाद हाई कोर्ट से जस्टिस दोनादी रमेश का आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में स्थानांतरण किया गया है। गुजरात हाई कोर्ट के जस्टिस संदीप नटवरलाल भट्ट को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में नियुक्त किया गया है।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को राज्य में ही मिलेगा रोजगार, योगी सरकार ने कर दी ये व्यवस्था

लखनऊ। अब उत्तर प्रदेश के प्रशिक्षित युवाओं को नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में नहीं भटकना पड़ेगा, बल्कि उन्हें राज्य में ही स्थापित हो रही औद्योगिक इकाईयों में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए इन्वेस्ट यूपी में कौशल कनेक्ट सेल का गठन किया जाएगा। उच्च स्तरीय स्टीयरिंग समिति ने इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन्वेस्ट यूपी कौशल कनेक्ट सेल के जरिए दूसरे राज्यों में काम कर रहे राज्य के प्रतिभाशाली युवाओं से संपर्क कर उन्हें भी यूपी में रोजगार उपलब्ध कराएगा।

पिकप भवन में मंगलवार को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार ने उच्च स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि निवेश की परियोजनाओं की स्वीकृति देने में देरी न की जाए। बैठक में इन्वेस्ट यूपी ने निवेशकों से आए सुझाव पर तैयार रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि प्रशिक्षित कर्मियों की कम उपलब्धता के कारण महानगरों के अलावा निवेशक छोटे शहरों में निवेश में कम रुचि दिखा रहे हैं। इसलिए कौशल कनेक्ट सेल के जरिए इंजीनियरिंग तथा तकनीकी शिक्षण संस्थानों के साथ संपर्क कर जिलावार प्रशिक्षित युवाओं की टीम तैयार की जाएगी।

साथ ही निवेशकों के सुझाव के अनुसार संबंधित शिक्षण संस्थानों में कोर्स डिजाइन करा कर उसे लागू किया जाएगा। आईआईडीसी ने कहा कि कौशल कनेक्ट सेल का गठन जल्द से जल्द किया जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे निवेश की स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाएं। निवेशकों को सहज व पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराएं। समयबद्ध स्वीकृतियां ही निवेश के प्रस्तावों को धरातल पर उतार सकती हैं। आईआईडीसी ने निवेश के 609 लंबित प्रस्तावों को जल्द से जल्द स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यमी मित्रों व जिला उद्योग केंद्रों के महाप्रबंधकों को प्रशिक्षण देने की योजना जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव, इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद और एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जैसलमेर बस हादसे में 20 लोगों की मौत, घटनास्थल पर पहुंचे सीएम भजनलाल, DNA जांच से होगी मृतकों की पहचान

जयपुर, 15 अक्टूबर [एजेंसी]।

जैसलमेर में जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एक निजी एसी स्लीपर बस में शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इसमें 20 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि तीन दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों में दो बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। करीब 70 प्रतिशत झुलसे 16 लोगों को जोधपुर के मथुरादास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों का उपचार जैसलमेर के जवाहर अस्पताल में जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में कुल 57 लोग सवार थे। पोकरण विधायक प्रताप पुरी ने हादसे में 20 मौतों की पुष्टि की है। कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि आठ मृतकों की पहचान हो गई है। सभी राजस्थान के ही निवासी थे। इनमें जोधपुर निवासी महेंद्र मेघवाल, उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा हैं। बाकी की पहचान में समय लग सकता है। उनकी पहचान डीएनए मिलान से की जाएगी। कलेक्टर ने मृतकों के स्वजनों से अपने डीएनए सैंपल देने की अपील की है। जानकारी के अनुसार बस में पटाखे परिवहन किए जा रहे थे। इसके पिछले हिस्से में शार्ट सर्किट से चिंगारी निकली, जो पटाखों तक पहुंच गई और आग फैल गई। आग लगने के बाद भी बस राजमार्ग पर दौड़ती रही। आग बस चालक तक पहुंचती, इसके पहले ही वह बस रोककर अपनी सीट से कूद गया। आग बुझाने के प्रयास में आसपास के ग्रामीणों ने पानी डालने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। सूचना पर पहुंचे अग्निशमन दल ने आग पर काबू पाया। जिस थईयात गांव के पास हादसा हुआ, वह सेना के वार म्यूजियम के नजदीक ही है। सेना के जवान भी मौके पर पहुंचे और घायलों व शवों को बाहर निकालने में मदद की। एक चश्मदीद कस्तूर सिंह के मुताबिक आग लगने से बस का गेट लॉक हो गया था। सेना के जवानों ने जेसीबी से दरवाजा तोड़कर हादसे के शिकार लोगों को निकाला।

उन्होंने करीब 30 लोगों की मौत की आशंका जताई है।उधर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत देर शाम विशेष विमान से जैसलमेर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। सीएम और मंत्री जोधपुर भी गए, जहां उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों के उपचार की जानकारी ली। घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने भी दुख जताया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जैसलमेर बस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक्स पर संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम रिश्तेदार को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मोनालिसा ने बिजुरिया गाने पर साड़ी में डांस करते हुए वीडियो किया शेयर

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह चबिजुरियाज् गाने पर साड़ी पहनकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ा डांसिंग मूड में, शॉट्स के बीच में और आखिर में इस गाने पर साड़ी में डांस करना।

मोनालिसा का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

चबिजुरियाज् गाना इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड कर रहा है। कई लोग इस गाने पर रील्स बनाकर इस ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीज् का है, जो दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

इस गाने को मशहूर गायक सोनू निगम और असीस कौर ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसका संगीत तनिष्क बागची और रवि पवार ने मिलकर तैयार किया है। गाने के बोल भी सोनू निगम और तनिष्क बागची की जोड़ी ने लिखे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि चबिजुरियाज् का मूल संस्करण साल 1999 में रिलीज हुआ था। यह सोनू निगम के म्यूजिक एल्बम च्मौसमज् का सुपरहिट गाना था, जिसे सोनू निगम ने खुद गाया और लिखा था। उस समय इसका संगीत रवि पवार ने तैयार किया था, और यह गाना युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। अब इसके नए वर्जन ने फिर से धूम मचा दी है।

फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीज् का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है और 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी और इसके गाने दर्शकों को खूब भा रहे हैं।

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं।

विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही

प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म चपरिणीताज मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि चकिस्सों की चादरज् एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया।

आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे च्आकर्षण का नियमज् कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं।

दीपावली सिर्फ घर की सफाई नहीं बल्कि मन की सफाई भी है जरूरी

कहा जाता है कि दिवाली पर माता लक्ष्मी साफ-सुथरे घरों में ही प्रवेश करती हैं इसीलिए हम सब दिवाली आने से पहले ही घरों की साफ-सफाई में जुट जाते हैं और फिर अपने-अपने घरों को सजाते हैं। जिस प्रकार से साल भर बाद दिवाली के आने से पहले हम पूरी शिद्दत के साथ साफ-सफाई में लग जाते हैं ठीक उसी प्रकार से हमें अपने मन और विचारों की भी शुद्धि करनी चाहिए। दिवाली ही एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें हमारे आस-पास का वातावरण स्वच्छ रहता है और स्वच्छ वातावरण का प्रभाव हमारे ऊपर सबसे अधिक पड़ता है। आइए इस दिवाली अपने मन में नकारात्मक विचारों को हटाकर सकारात्मक विचारों को लाएं आप देखिएगा ऐसा करने से इस बार दिवाली पर आपका आनंद कई गुना बढ़ जाएगा। कहा भी गया है कि आंतरिक स्वच्छता बाहरी स्वच्छता से कई गुना महत्त्वपूर्ण होती है तो ऐसे में हमें अपने मन में उठती बेवजह की लहरों से निकलकर आगे सफलता के रास्ते पर चलना होगा। वैसे तो हमारे मन की स्थिति कभी समान नहीं रहती है। हमारे मन में हमेशा अच्छे-बुरे और अनगिनत विचारों की आवाजाही लगी ही रहती है और उन विचारों का प्रवाह इतना तीव्र होता है कि हमें पता ही नहीं चलता कि कौन सा विचार सही है और कौन सा गलत। जिस कारण हमें जीवन में असाधरण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है तो इस बार जब आप अपने घरों की सफाई शुरू करें

तो कुछ समय अपने लिए भी निकाले और अपने मन से बुरे विचारों को बाहर निकालने और अच्छे विचारों को अन्दर लाने की कोशिश करें।

जिनी' फिल्म के गाने 'अब्दी अब्दी' में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म जीनी का बहुप्रतीक्षित गाना अब्दी अब्दी आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विज़ुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं। उन्होंने वाकई हमारे साथ मिलकर काम किया और पूरी प्रक्रिया को एक बेहद खूबसूरत अनुभव बना दिया। चूँकि मैं और कल्याणी, दोनों ही पहले एक बेली डांस टीचर से ट्रेनिंग ले चुकी थीं, इसलिए यह ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा। बस एक चीज़ थोड़ी मुश्किल थी, वो ये कि जब हमें रेत से भरे डांस फ्लोर पर शूट करना पड़ा, वहाँ घुमाव करना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे हमने उसे भी संभाल लिया। कृति शेट्टी के लिए, अब्दी अब्दी उनके करियर में एक अहम मुकाम साबित हो रहा है। अब तक अपनी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' वाली छवि से पहचानी जाने वाली कृति ने इस गाने में एक आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और सेंसुअल अंदाज़ में खुद को पूरी तरह बदल दिया है — जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया। इस कठोर प्रशिक्षण में न सिर्फ़ इस डांस शैली के ख़ास हिप मूवमेंट और बॉडी अंडुलेशन्स को सीखने में महारत हासिल करना शामिल था, बल्कि कोरियोग्राफी को बेबाकी से करने के लिए ज़रूरी कोर स्ट्रेंथ और लचीलेपन का निर्माण भी शामिल था। उनकी यह मेहनत हर फ्रेम में झलकती है, और यही वजह है कि 'अब्दी अब्दी' इस सीज़न के सबसे चर्चित गानों में से एक बन गया है।

कल्याणी प्रियदर्शन भी कृति के साथ कदम से कदम मिलाती दिखती हैं, और अपने अलग अंदाज़ और ऊर्जा से परफॉर्मेंस को और भी निखार देती हैं। गाने की कोरियोग्राफी इस तरह रची गई है कि दोनों अभिनेत्रियों की विशेषताएँ उभरकर सामने आएँ, साथ ही उनके साथ किए गए सिंक्रोनाइज़ मूवमेंट्स गाने को एक नया स्तर पर पहुंचा देते हैं।

ऐसा लगता है कि 'जिनी' फिल्म दोनों अभिनेत्रियों का एक बिल्कुल नया रूप दिखाने वाली है, और अगर 'अब्दी अब्दी' इसका संकेत है, तो दर्शकों के लिए यह फिल्म एक शानदार विज़ुअल और म्यूज़िकल अनुभव साबित होगी। यह गाना पहले ही सभी प्लेटफ़ॉर्म्स पर ट्रेंड कर रहा है, और दर्शक व समीक्षक दोनों इसकी बोल्ड कोरियोग्राफी और अभिनेत्रियों की मेहनत की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं — जिन्होंने एक ऐसा बेली डांस परफॉर्मेंस दिया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी भी गाने को टक्कर दे सकता है।

टॉक्सिक : अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स से लीक हुआ यश का लुक, दिखा एक्टर का जलवा

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता यश इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म च्टॉक्सिक- अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्सज् की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस फिल्म से उनका लुक सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इनमें यश बड़ी दाढ़ी में बहुत ही हैंडसम दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर लीक हुए इस वीडियो में यश बालकनी में दिखाई दे रहे हैं। इसमें यश सिर्फ नीली डेनिम पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका स्वैग देख सोशल मीडिया पर लोग फिल्म के लिए उत्सुकता जाहिर करते दिख रहे हैं। लोग कमेंट बॉक्स में कह रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सुनामी आने वाली है। कुछ लोग ब्लॉकबस्टर लोडिंग कहते दिखाई दिए।

फिल्म की बात करें तो यह एक ऐतिहासिक गैंगस्टर ड्रामा कही जा रही है। टॉक्सिक- अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को गीतू मोहनदास और यश ने लिखा है। इस फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास हैं। गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ड्रग कार्टेल की अंधेरी दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शक्ति, प्रेम और धोखे पर बेस्ड होगी।

इस फिल्म में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

इस फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया जा रहा है। च्टॉक्सिक- अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्सज् 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले फिल्म को दिसंबर 2025 में रिलीज किया जाना था, लेकिन प्रोडक्शन में हुई देरी के चलते इसे आगे के लिए खिसका दिया गया।

इस फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। इसे अगले साल आने वाली कुछ बड़ी फिल्मों में शामिल किया गया है।

इस फिल्म के अलावा यश के पास नितेश तिवारी की बहुचर्चित च्रामायणज् भी है। इसमें वह लंकापति रावण की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी देवी सीता, सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

गोडे गोडे चा 2 का बिल्लो जी इस सीज़न का प्यार भरा एंथम है, जो आपको जरूर सुनना चाहिए

प्यार को मिला देसी ढोल का ट्विस्ट। गोडे गोडे चा 2 का अगला म्यूज़िकल जेम चबिल्लो जीज् अब रिलीज़ हो चुका है, जिसे गाया है दमदार जोड़ी एमी विर्क और गुरजैज़ ने। कप्तान के मज़ेदार बोल और एन वी के जोश से भरपूर भांगड़ा बीट्स के साथ, यह गाना दिखाता है कि अपने प्यार को रिझाने के लिए स्टाइल, सच्चाई और जबरदस्त डांस के साथ लड़के किस हद तक जा सकते हैं। यह गाना शरारती भी है, रंगीन भी और सबसे खास बात, यह इस सीज़न का सबसे बड़ा लव एंथम बनने जा रहा है। गाने के बारे में बात करते हुए, एमी विर्क ने कहा, बिल्लो जी एक बहुत ही खूबसूरत वाइब है। यह खेल-उल्लास, रोमांटिक और फुल-ऑन भांगड़ा एनर्जी वाला ट्रैक है, जो इसे सुनने वाले को अपने पैरों पर थिरकने पर मजबूर कर देता है। यह प्यार का पंजाबी अंदाज़ में जश्न है और मुझे पूरा यकीन है कि यह हर लड़के का फेवरेट एंथम बन जाएगा। गाने पर अपने उत्साह व्यक्त करते हुए, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा, बिल्लो जी के ज़रिए हमने उस चुलबुले व बड़े पैमाने के पंजाबी रोमांस को कैप्चर करने की कोशिश की है, जहाँ हर इमोशन ज़ोरदार है और हर जेस्चर ग्रैंड। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि फिल्म का वह पल है, जहाँ एनर्जी अपने शिखर पर पहुँच जाती है और मैं यकीन के साथ कह सकता हूँ कि दर्शक भी उस जादू को महसूस करेंगे। गोडे गोडे चा 2 नेशनल अवॉर्ड विजेता ब्लॉकबस्टर ओरिजिनल की परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें जेंडर को-एग्ज़िस्टेंस पर एक नई और मनोरंजक नज़र डाली गई है।

शब्द सामर्थ्य -200

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 199 का हल

खा	म	खां	■	■	ई	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्व	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	दां	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	या	द	ल

ग्लैमर से पहले आस्था : कृति शेट्टी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव

कृति शेट्टी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आईं कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर-दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है।

अधिकारियों की मनमानी से जनस्वास्थ्य व जलीय जीव पर मंडरा रहा खतरा

झुमका जलाशय में जहर घोलता प्रबंधन

चरचा कालरी। कोरिया जिले के चरचा कालरी क्षेत्र खदानों से प्रतिदिन निकाले जा रहे लगभग एक लाख लीटर अम्लीय एवं जहरीले पानी को बिना किसी शुद्धिकरण प्रक्रिया के सीधे नालों के माध्यम से झुमका जलाशय में छोड़ा जा रहा है। जिससे बेहद गंभीर जल प्रदूषण फैल रहा है साथ हीआमजन व जलीय जीव जंतुओं का स्वास्थ्य भी बेहद प्रभावित हो रहा है यह वही जलाशय है जो जिले के हजारों लोगों के दैनिक उपयोग, सिंचाई और मवेशियों के पीने के लिए प्रमुख स्रोत है।

चरचा कालरी से निकलने वाले अम्लीय पानी को शुद्ध करने हेतु पूर्व वित्त मंत्री एवं कोरिया जिले के जनक डॉ. रामचंद्र सिंह जूदेव की पहल पर यहाँ एसेडिक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया था। इस प्लांट का उद्देश्य था कि फिटकरी, चुना व अन्य रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से पानी का पी एच मानक स्तर संतुलित किया जाए ताकि यह जल सामान्य उपयोग के योग्य बन सके।किन्तु अफसोस की बात है कि यह संयंत्र आज सफेद हाथी बनकर रह गया है।सूत्रों के अनुसार, प्लांट संचालन के नाम पर कागजी आंकड़ों में फिटकरी और चुना कीभारी मात्रा में खरीदी की जाती है किंतु उसका उपयोग बहुत कम किया जाता है।

वर्तमान में प्रबंधन ने भले ही दो ट्रीटमेंट प्लांट लगा रखे हों, लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांशअम्लीय पानी को ट्रीटमेंट किए बिना ही प्लांट के किनारे बने एक छेद से मोटे पाइपों द्वारा सीधे नाले में बहाया जा रहा है।यह नाला खदान क्षेत्र से होता हुआ छठ घाट और फिर झुमका जलाशय में

मिल जाता है। गंदे अम्लीय पानी की वजह से नाले में दोनों ओर कोयले की मोटी परतें जम चुकी हैं, वहीं जगह-जगह सफेद रासायनिक परतें पत्थरों पर दिखाई देती हैं, जो प्रदूषण का साफ संकेत हैं।इस जहरीले पानी का उपयोग स्थानीय मवेशी, गाय-बैल, बकरी एवं अन्य पशु करते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। वहीं, जलाशय में मिल रहे रासायनिक तत्वों से मछलियों की मृत्यु और जल गुणवत्ता में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस पूरे मामले में चरचा कालरी प्रबंधन की पूर्ण लापरवाही और मनमानी जिम्मेदार है। करोड़ों की लागत से बने झुमका बहुउद्देशीय जलाशय को इस तरह प्रदूषित करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिले की संवेदनशील कलेक्टर से अपेक्षा है कि वे इस विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही करें, ताकि आम जन, पर्यावरण और पशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सवाल यह भी उठता है कि जिले का पर्यावरण विभाग आखिर क्यों आंखें मूंदे बैठा है?क्या जनस्वास्थ्य तब ही जागरूकता का विषय बनेगा जब जलाशय पूरी तरह विषाक्त हो जाएगा?

विशेषज्ञों के अनुसार खदानों से निकलने वाले अम्लीय पानी में सल्फ्यूरिक एसिड रहता है जो पानी के पी एच को अत्यधिक कम करता है इसके अतिरिक्त उसमें मिलने वालाफेरिक आयरन - पानी को लालिमा और धात्विक स्वाद देता है यह भी स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है एल्युमिनियम व मैग्नीशियम सल्फेट्स मवेशियों के लिए विषाक्तहोता है इसी क्रम में आर्सेनिक व मैंगनीज के दीर्घकालिक सेवन से मानव शरीर पर कैंसरजनक प्रभाव पड़ते हैं

ज्वेलरी व्यवसायी पर नकाबपोश हमलावरों का डंडों से हमला, शोर मचाने पर भागे आरोपी

क्षेत्र में अपराध व नशे का फैलता जाल जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं से दहशत में क्षेत्रवासी

चरचा कालरी। नगर पालिका शिवपुर चर्चा कॉलरी क्षेत्र के अंतर्गत अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरी के बाद अब लूट की वारदातों ने क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ा दी है।

मंगलवार की रात वार्ड क्रमांक 14, जो अब तक नगर का सबसे सुरक्षित क्षेत्र माना जाता था, वहां ज्वेलरी व्यवसायी जैनुद्दीन मंडल उर्फ कोची पर तीन अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने लूट का प्रयास किया।जानकारी के अनुसार, जोया ज्वेलर्स के संचालक जैनुद्दीन मंडल रात करीब 9 बजे अपनी दुकान बंद कर सोने-चांदी के जेवरों से भरा बैग लेकर बाइक सेअपने घर लौट रहे थे। दुकान से मात्र 100 मीटर की दूरी पर उनका घर है घर के करीब 20 मीटर की दूरी तक पहुंचने पर और घर से 20 मीटर की दूरी पर पहुंचने पर अचानक तीन नकाबपोश युवकों ने उन पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। अचानक डंडों से किए गए हमले में मंडल घायल होकर बाइक सहित नाली में गिर पड़े। इसी बीच उनका सोने चांदी के जेवरात से भरा बैग भी नाली में गिर गया, जिसे हमलावर देख नहीं पाए और वे लगातार उन पर प्रहार करते रहे।जैनुद्दीन मंडल के जोर-जोर से शोर मचाने पर उनकी पत्नी और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ देखकर हमलावर वहां से भाग निकले। घायल जैनुद्दीन मंडल को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इतनी घनी आबादी वाले और शहर के केंद्र में स्थित वार्ड में इस तरह की लूट की घटना बेहद चिंताजनक और सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया प्रश्न चिन्ह है।सूचना मिलने के लगभग आधे घंटे बाद चर्चा पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बीते कुछ महीनों से ड्रग्स, इंजेक्शन, गांजा और अवैध शराब का कारोबार तेज़ी से बढ़ा है। यही नशे की लत युवाओं को अपराध की ओर धकेल रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन इन अवैध गतिविधियों के प्रति जानबूझकर आंखें बंद किए हुए अंजान बने हुए हैं जानकारी होने के बावजूद कार्यवाही नहीं की जाती जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद है शिवपुर चर्चा जैसे नगर क्षेत्रों में यदि इस प्रकार की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती रहीं, तो आम नागरिकों और व्यापारियों में भय और असुरक्षा की भावना गहराती जाएगी। अब यह समय है कि प्रशासन जागे, नहीं तो अपराध और नशे का गठजोड़ पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को निगल जाएगा।

सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक मांगें हुई तेज: सौरभ सिंह

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर अब आम जनता और बुद्धिजीवी वर्ग सक्रिय होना जरूरी है जिससे जिले के समुचित विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण संस्थाओं और उद्योगों की स्थापना तत्काल आवश्यक है। लोगों का कहना है कि यदि इन बुनियादी जरूरतों को पूरा किया जाए तो कोरिया न केवल शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि रोजगार और औद्योगिक विकास में भी राज्य के अग्रणी जिलों में शामिल हो जाएगा।

स्थानीय बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों ने कहा गया है कि कोरिया जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना समय की मांग है। वर्तमान में जिले के युवाओं को मेडिकल शिक्षा के लिए बिलासपुर, रायपुर या अम्बिकापुर तक जाना पड़ता है। मेडिकल कॉलेज खुलने से जिले के विद्यार्थियों को सुविधा तो मिलेगी ही, साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार आएगा। इसी तरह संभाग मुख्यालय की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक दृष्टि से कोरिया को संभाग का दर्जा मिलना चाहिए, जिससे शासकीय कार्यों में तेजी आए और लोगों को जिला मुख्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिक्षा के क्षेत्र में जिले में कॉलेज, लॉ कॉलेज, फिजियोथेरेपी कॉलेज तथा उद्यानिकी कॉलेज की स्थापना का सुझाव दिया गया है। यह संस्थान न केवल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएंगे बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेंगे। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय का परिसर यदि कोरिया में स्थापित किया जाए तो यह जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए एम्स अस्पताल (AIIMS हॉस्पिटल) की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। वर्तमान में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को कई सौ किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। एम्स जैसी सुविधा उपलब्ध होने से न केवल जिले के बल्कि आसपास के इलाकों के लोगों को भी राहत मिलेगी। इन संस्थानों के साथ-साथ नागरिकों ने कोरिया जिले में उद्योगों और कारखानों की स्थापना की भी मांग की है। उनका कहना है कि जिले में प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं, परंतु उद्योगों की कमी के कारण यहां के युवा रोजगार से वंचित हैं। यदि कुछ प्रमुख उद्योगों और उत्पादन इकाइयों की स्थापना की जाए, तो न केवल बेरोजगारी घटेगी बल्कि आर्थिक विकास भी तेज़ी से होगा। जनता का कहना है कि इन मांगों को पूरा करने के लिए सभी वर्गों को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। सामूहिक पहल और जनदबाव से ही यह सपने साकार हो सकते हैं। लोगों ने जिले के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से भी आग्रह किया है कि वे इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। अंत में नागरिकों ने कहा कि यदि कोरिया का विकास चाहिए, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के क्षेत्र में निवेश जरूरी है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस मांग के समर्थन में आगे आएं और जय कोरिया, जय छत्तीसगढ़ के नारे के साथ विकास यात्रा में भागीदार बनें।

विगत दो वर्षों में कोरिया जिले में बाल विवाह का एक भी प्रकरण दर्ज नहीं

कोरिया बैकुंठपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार ऐसे ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय घोषित किया जाना है, जहाँ पिछले दो वर्षों में बाल विवाह का कोई भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ हो।

महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरिया के जिला कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की सभी 162 ग्राम पंचायतों एवं तीनों नगरीय निकायों से विगत दो वर्षों में बाल विवाह से संबंधित कोई प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है। अतः इन सभी को बाल विवाह मुक्त घोषित कर प्रमाणपत्र जारी किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो अथवा किसी बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में हो, तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर अर्थात 25 अक्टूबर 2025 तक, कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर कोरिया में कार्यालयीन समय (प्रातः 10 बजे से सायं 5.30 बजे तक) में आवश्यक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु सतत जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। समाज के प्रमुखजनों की बैठक लेकर बाल विवाह के उन्मूलन के लिए विशेष दिशा-निर्देश एवं रणनीतियाँ तैयार की गईं। इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप ही विगत दो वर्षों में जिले में बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

पटाखा दुकानों में विशेष सावधानी बरतने - महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी

कोरिया। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी ने जानकारी दी है कि त्यौहारों में लगाये जाने वाले पण्डाल एवं अस्थायी संरचनाओं में आग की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुये आईएस स्टैंडर्ड के तहत कार्य किया जाएगा। पटाखा दुकान में किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस, रस्सी, टेंट नहीं होना चाहिए, जबकि अज्वलनशील सामग्री से बने टिन द्वारा निर्मित होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप, गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होंगी, विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वतः बन्द हो जाए। दुकान ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके उपर से हाईटेंशन पावर लाइन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 06 किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र, दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 200 लीटर क्षमता के पानी के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ, पटाखा दुकानों के सामने बाईक/कार की पार्किंग न हो, अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नंबर दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए।

16 को कोरिया में निःशुल्क प्लेसमेंट कैंप

कोरिया। शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आ रहा है जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी गुरूवार, 16 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक जिला पंचायत के पीछे गढ़ कलेवा के बगल में नि:शुल्क प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में एस.बी.आई. लाईफ जिला कोरिया एवं मेसर्स छत्तीसगढ़ स्कोप स्किल फाउंडेशन, जिला सूरजपुर सहित विभिन्न प्रतिष्ठित निजी संस्थानों द्वारा भर्ती की जाएगी। कुल 28 पदों पर चयन प्रक्रिया आयोजित होगी, जिसमें डेवलपमेंट मैनेजर, प्रोडक्शन सहायक, और पैकिंग सहायक जैसे पद शामिल हैं। इन पदों के लिए अधिकतम योगयता स्नातक न्यूनतम योग्यता 12वीं एवं आईटीआई/डिप्लोमा पास निर्धारित की गई है और महिला व पुरुष दोनों आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को 14,000 से 17,000 रुपये तक का मासिक वेतन प्राप्त होगा। कार्य स्थल बैकुण्ठपुर, नोएडा और चेन्नई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में होगा।

महिला रक्षा टीम स्कूल-कालेज की छात्राओं से सीधा कर रही संवाद

सूरजपुर। आधुनिक जीवन में महिलाओं एवं स्कूली छात्रों की सुरक्षा बहुत जरुरी है और उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि क्या चीज सही है और क्या गलत। चाहे वो अपने घर में हो या स्कूल अथवा कहीं बाहर किसी के भी साथ हो।

इसी कड़ी में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर महिला रक्षा टीम द्वारा महिलाओं-छात्राओं की सुरक्षा, स्कूल-कालेजों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है और स्कूली छात्रों से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा से जुड़ी बातों को बताकर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप के मार्गदर्शन में महिला रक्षा टीम नियमित गश्त और पेट्रोलिंग कर क्षेत्र में बारीकी से नजर बनाए हुए है। टीम स्कूल-कालेजों की छात्राओं को स्कूल आने-जाने के दौरान सुरक्षा के टिप्स बताते हुए रास्ते में किसी तरह की परेशानी होने पर वे अपनी शिकायत पुलिस कन्ट्रोल रूम सूरजपुर के मोबाईल नंबर 9479193999 पर कर सकती है और यथा समय हर शिकायत पर सख्ती से कार्रवाई होगी। महिला रक्षा टीम प्रभारी एसआई पुष्पा तिर्की ने स्कूली बच्चों को इस बात की जानकारी दिया कि अपनी समस्याओं को और कभी किसी अपराध के घटित होने और आवश्यकता पड़ने पर वे निस्संकोच बिना भय के पुलिस को अपनी बातें बता सकते हैं। छात्राओं को गुड टच, बैड टच, इंटरनेट मीडिया में बरती जाने वाली सावधानियां, यातायात नियमों, पाक्सो एक्ट जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इन अभियानों में महिला प्रधान आरक्षक ग्रेसमनी मिंज, महिला आरक्षक नमिता केरकेट्टा, अश्विन, ममता केरकेट्टा, चंदा भास्कर, रोशनी सिंह व देशमति सिंह सक्रिय रही।

सुरक्षा जागरूकता अभियान कार्यक्रम

अंबिकापुर। रेंज साइबर थाना अंबिकापुर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के दिशा निर्देशन मे साइबर जागरूकता अभियान का कार्यक्रम शासकीय कन्या महाविद्यालय अंबिकापुर में आयोजित कर छात्र/छात्राओं को साइबर सम्बन्धी जानकारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। म्यूल खातों एवं मोबाइल नंबर के दुरूपयोग, हेल्पलाइन नंबर, साइबर पोर्टल के उपयोग एवं वर्तमान समय में साइबर ठगों द्वारा अपराध के तरीके किये (मॉडस ऑपरेंडी) के बारे छात्र/छात्राओं को किया गया जागरूक। वर्तमान में साईबर अपराध के तरीके निरंतर परिवर्तन हो रहा है।

ऐसी घटनाओं के रोकथाम तथा इससे बचने हेतु साइबर हेल्प लाइन पोर्टल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज के बारे में जानकारी दी गई, एवं मोबाइल गुम होने पर ऑनलाइन साइबर पोर्टल सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के बारे में विस्तृत जानकारी रेंज साइबर थाना पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीयों द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं सहित शिक्षक एवं स्टॉफ को वर्तमान समय में हो रहे साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूकता अभियान के तहत जानकारी दी गई। रेंज साइबर थाना के स्टॉफ द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को साइबर अपराधों की विविधताओं जैसे-ऑनलाइन धोखाधड़ी, ओटीपी साझा करने के खतरे, डिजिटल फ्रॉड्स, एपीके फ़ाइल, डिजिटल अरेस्ट, एटीएम बदल कर फ्रॉड, ऑनलाइन पेमेंट के मजबूत पासवर्ड, अनजान किसी भी लिंक को ओपन न करने तथा किसी भी संस्था बैंक अन्य कस्टमर केयर का नंबर खोजना हेतु गूगल का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई एवं साइबर बुलिंग, साइबर फिशिंग एवं साइबर स्टॉकिंग के संबंध में भी विस्तृत जानकारी से महाविद्यालय में उपस्थित छात्रों को सचेत किया। साइबर जागरूकता कार्यक्रम रेंज साइबर थाना के स.उ.नि. मनोज उपाध्याय, प्रधान आरक्षक मिथिलेश पाठक, महिला आरक्षक सुषमा पैकर द्वारा किया गया।

संतलाल को मिली सुकून की छांव, प्रधानमंत्री आवास से पूरी हुई वर्षों की ख्वाहिश

कोरिया बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब और जरूरतमंद तबकों के लिए सिर्फ गिट्टी, रेती, ईंट, सरिया और सीमेंट से बना एक घर नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन में सुरक्षा और सुकून की नई रोशनी लेकर आई है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम खाड़ा निवासी संतालाल को वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत हुआ। संतलाल बताते हैं कि जब उन्हें जानकारी मिली कि उनका नाम पात्रता सूची में आया है, तो पहले तो विश्वास ही नहीं हुआ। उन्होंने कहा हमने तो मान लिया था कि हमारे जीवन में पक्के मकान का सुख नहीं मिलेगा, क्योंकि आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि खुद से मकान बना सकें। लेकिन ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव और कोटवार के माध्यम से जानकारी मिली कि पात्र होने पर सरकार की इस योजना से घर मिल सकता है। हमने आवेदन किया और कुछ ही समय में राशि स्वीकृत हो गई। अब संतलाल अपने नए घर में परिवार के साथ सुकून की जिंदगी बिता रहे हैं। वे बताते हैं कि अब उन्हें न बारिश की चिंता है, न ठंड और गर्मी की तकलीफ। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास ने हमें सिर्फ छत नहीं दी, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा का एहसास भी दिया है। संतलाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना वास्तव में गरीबों के जीवन में खुशहाली और आत्मनिर्भरता ला रही है।

15 से खुलेंगे रेतघाट, कीमतों में आएगी गिरावट

रायपुर। प्रदेश में रेतघाट 15 नवंबर से शुरू हो रहे हैं। जिसके कारण अब रेत का रेट कम होने के आसार है। इधर राज्य में सीमेंट की कीमतों में कोई कमी नहीं हो रही है। मौसम खुलने के बाद ईट भट्ठा खुल जाएगा, जबकि लोहे के रेट में कोई अंतर नहीं आ रहा है। राज्य में 15 नवंबर के पश्चात रेत घाटों को खोल दिया जाएगा। रायपुर जिले में आरंग, समोदा, पारागांव तथा गरियाबंद जिले में राजिम तथा अन्य रेतघाट खुल जाएंगे। इस समय रेत की डिमांड सबसे ज्यादा है, जिसके कारण यहां पर रेत का भाव आसमान छू रहा है।

जनदर्शन में पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनीं अपर कलेक्टर ने

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 50 आवेदकों की समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें सुनीं। जनदर्शन में उपस्थित आवेदकों ने भूमि, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आवास, विद्युत, रोजगार एवं अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। अपर कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी आवेदनों का बारीकी से अध्ययन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही, की गई कार्यवाही की जानकारी आवेदकों को अवश्य प्रदान की जाए, ताकि शासन-प्रशासन के प्रति नागरिकों का विश्वास और मजबूत हो। श्री वैद्य ने कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों के लिए अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का माध्यम है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि उनकी समस्याओं का समाधान त्वरित गति से किया जाए।

कानून-व्यवस्था, मादक पदार्थ नियंत्रण और सड़क सुरक्षा पर मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश: कलेक्टर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पुलिस की छवि ऐसी होनी चाहिए, जिससे अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का अहसास उत्पन्न हो। मुख्यमंत्री श्री साय आज मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति, मादक पदार्थ नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव श्री विकास शील, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। जिन जिलों में दोनों के बीच समन्वय मजबूत है, वहां बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई को प्रशासनिक उदासीनता माना जाएगा और ऐसे मामलों में कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अव्यवस्था फैलाने, चाकूबाजी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए। गौ-तस्करी और धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मामलों पर सघन निगरानी रखी जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों ने अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय सुधार किया है, उनके अनुभवों को अन्य जिलों में मॉडल के रूप में लागू किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने नशाखोरी और मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा अपराधों की जड़ है, और इसे समाप्त करना ही कानून-व्यवस्था सुधार की पहली शर्त है। मुख्यमंत्री श्री साय ने एनकॉर्ड (ह्ृह्रस्ऱ्ठ) के तहत राज्यव्यापी अभियान चलाने, सीमावर्ती जिलों में तस्करी पर रोक लगाने और एनडीपीएस एक्ट के तहत समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में घुसपैठियों की पहचान और नियंत्रण के लिए विशेष टास्क फोर्स (स्ञ्जस्न) गठित की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीमावर्ती जिलों में सघन जांच की जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधों की अनदेखी अक्सर गंभीर अपराधों को जन्म देती है, इसलिए प्रत्येक मामले में समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में आत्मसमर्पित माओवादियों के पुनर्वास और आजीविका सशक्तिकरण पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति में माओवादियों का विश्वास बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। आत्मसमर्पित माओवादियों को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर स्थानीय रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा जाए, ताकि वे मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में सड़क सुरक्षा को लेकर भी गहन मंथन हुआ। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था सुधार हेतु कठोर कदम उठाने पर जोर दिया गया। हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही, ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कार्य किए जाने, रात 10 बजे के बाद डीजे या लाउडस्पीकर के उपयोग पर रोक लगाने और नशे में वाहन चलाने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सड़क पर आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने को कहा गया। कॉन्फ्रेंस में साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि साइबर अपराध आधुनिक युग का सबसे जटिल खतरा बन चुका है। इसे रोकने के लिए पुलिस बल को निरंतर तकनीकी प्रशिक्षण दिए जाने पर बल दिया गया। साथ ही साइबर हेल्पलाइन नंबर का प्रचार-प्रसार जनसंपर्क विभाग के सहयोग से व्यापक स्तर पर किए जाने के निर्देश दिए गए।

पालक-शिक्षक मेगा बैठक सभी विद्यालयों में संपन्न-जिला शिक्षा अधिकारी

कोरिया। जिला शिक्षा अधिकारी, कोरिया ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी विद्यालयों में 13 अक्टूबर 2025 को पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है, जबकि इस संबंध में कुछ समाचार पत्र द्वारा भ्रामक एवं असत्य प्रकाशित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शिक्षा सत्र 2025-26 में राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार 13 अक्टूबर को द्वितीय पालक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई थी। जिले के 618 विद्यालयों में बैठकें संपन्न हुईं, जिनमें 8460 पालकगण सक्रिय रूप से शामिल हुए। बैठकों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, शिक्षण प्रक्रिया में आ रही कठिनाइयों एवं उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई और इस सम्बंध में सभी विद्यालयों में पालकों को बैठक की पूर्व सूचना प्रदान की गई थी और उनकी उपस्थिति संतोषजनक एवं उत्साहजनक रही।

सहायक श्रम आयुक्त ने वार्ता के लिए बुलाया

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ के तत्वाधान में कर्मचारी रायपुर मुख्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं। उनके द्वारा पुरानी पेंशन योजना व संविदा कर्मियों को नियमित करने की मांग की जा रही है। 9 अक्टूबर को प्रदर्शन करने के बाद मांग पूरी नहीं होने पर कर्मचारी धरने पर बैठ गए थे। अनिश्चितकालीन धरने में राधेश्याम जायसवाल, नवरतन बरेठ, अमर राठौर, बजरंग चंद्रा सहित अनेकों कर्मचारी शामिल हुए। कल सहायक श्रमायुक्त के साथ इन सभी मांगों पर त्रिपक्षीय वार्ता होगी। बताया जा रहा है कि पुरानी पेंशन स्कीम को लागू किया जा सकता है लेकिन संविदा नियुक्ति के आधार पर ड्यूटी कर्मचारियों को नियमित करने का मामला अधर में लटका हुआ है। पूरे प्रदेश में 2500 संविदा कर्मी कार्यरत हैं।

दीपका के कार्यकर्ता शामिल हुए संगठन में

कोरबा। एसईकेएमसी दीपका के अध्यक्ष सतीश सिंह व महामंत्री संजीव शर्मा के नेतृत्व में दीपका के कार्यकर्ता कोरबा में आयोजित एसईकेएमसी के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान सतीश सिंह ने कहा कि दीपका क्षेत्र में संगठन तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। रामकुमार कौशिक व मो.रसूल कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। कोयला कामगारों की समस्याओं को दूर करने के लिए सभी प्रयास हो रहे हैं। इसके अलावा लगातार बैठक का भी सिलसिला यूनियन कार्यालय में जारी है। इस बार सदस्य संख्या में बढ़ोत्तरी निश्चित रूप से होगी। केंद्रीय कर्मशाला गेवरा के अध्यक्ष विकास शुक्ला के नेतृत्व में भी कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में केंद्रीय कर्मशाला में कर्मचारियों की सदस्य संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। रजगामार के रामनाथ कश्यप, राजेश साहू, सरायपाली के डिलो राम व राजेश साहू के नेतृत्व में भी अनेकों कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया

कोरबा। कल बीकेकेएमएस रजगामार इकाई के द्वारा ग्राम पतरापाली में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें ग्रामीणों ने परीक्षण कराया और उन्हें दवाईयां भी दी गई। रजगामार के रामविलास पाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित था। रजगामार प्रभारी उत्तम कुलदीप, सपन जैना, शिवदयाल साहू, रमेश पवार ने कार्यक्रम को सफल बनाया। इसके अलावा कार्यक्रम की अध्यक्षता यशवंत साहू ने की। कार्यक्रम में बाबूलाल चंद्रा, राजेंद्र यादव, दादूलाल राठौर, संजय दयाल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

सांसद महंत का लखनपुर दौरा

कोरबा। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत आज लखनपुर जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी। उनके साथ कांग्रेस ग्रामीण के जिलाध्यक्ष मनोज चौहान, कटघोरा ब्लॉक अध्यक्ष गोरेलाल यादव सहित अन्य कार्यकर्ता भी रहेंगे। क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी और उनसे जानकारी ली जाएगी कि इस क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं या नहीं।

कोयला खदान के लिए जमीन लेने सर्वे, लोगों का भारी विरोध

जनता ने कहा- जमीन हमारी तो उपद्रव क्यों?

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के दीपिका क्षेत्र की कोयला खदान का विस्तार करने की कवायद इन दिनों जोर पकड़ चुकी है। प्रबंधन इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रहा है, वहीं प्रशासन का भी इसमें पूरा सहयोग देखने को मिल रहा है। बावजूद इसके, स्थानीय लोगों का विरोध लगातार तेज़ होता जा रहा है।

बुधवार को हरदी बाजार क्षेत्र में एसईसीएल प्रबंधन द्वारा सर्वेक्षण की प्रक्रिया कराई गई। इस दौरान लोगों के विरोध की संभावना को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात किया गया था। सूत्रों के अनुसार, दीपिका-अकोला खदान के विस्तार के लिए लगभग 861 एकड़ जमीन पर कंपनी की नज़र है। लंबे समय से इस भूमि के अधिग्रहण की कोशिशें जारी हैं, लेकिन स्थानीय निवासियों के विरोध के कारण यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी। स्थानीय लोगों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जब तक स्थायी नौकरी, उचित मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक किसी भी प्रकार का सर्वे स्वीकार्य नहीं होगा। बीते दिनों त्रिपक्षीय वार्ता की पेशकश पर ग्रामीणों ने असहमति जताते हुए उसका बहिष्कार कर दिया था। लोगों का कहना है कि एसईसीएल की अन्य परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के बाद लोगों को भारी नुकसान हुआ है, इसलिए अब उन्हें प्रबंधन और प्रशासन के रवैये पर भरोसा नहीं रहा। इसी बीच, कटघोरा क्षेत्र के पूर्व विधायक बौद्धराम कंवर और पुरुषोत्तम कंवर ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के समर्थन में प्रशासनिक अधिकारियों से तीखी चर्चा की और विरोध दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार, बुधवार को पुलिस बल की मौजूदगी में सरकारी भवनों सहित कुछ हिस्सों का सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान विरोध जताने पहुंचे ग्रामीणों को मौके से हटा दिया गया, जिससे स्थिति कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गई। ग्रामीणों ने कहा कि जमीन हमारी है, अधिकार हमारे हैं। कंपनी अपनी जरूरतों के लिए जिस तरह से शक्ति का दुरुपयोग कर रही है, उसका जवाब आने वाले समय में उसे देना पड़ेगा।

मेगा माइंस को दी जा रही प्राथमिकता

यहां बताना लाजिमी होगा कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने कोरबा जिले में खनिज संसाधन की उपलब्धता को लेकर उसका विदोहन करना तय किया है पिछले कुछ वर्षों से इस प्रक्रिया को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है इसके अंतर्गत दीपिका एरिया की खदानों को उसने मेगा माइंस में शामिल किया है यही कारण है कि इसकी हर मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन और संसाधन दिए जा रहे हैं कोयला कंपनी ने मामले को हल करने के लिए राज्य सरकार के साथ समन्वय पर जोर दिया है

कोरबा के पसान और देवघाटी खंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी उत्सव मनाया। इस मौके पर स्वयंसेवकों ने 100 वर्ष की यात्रा को जाना।

साढ़े नौ माह में सिर्फ 52 अपराध अपराधों की गति पर ब्रेक

कोरबा। औद्योगिक जिले कोरबा में अधिकांश थाना क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के अपराध का सिलसिला जारी है। इनके पीछे विभिन्न प्रकार के कारण सामने आते रहे हैं। इन सबके बीच ग्रामीण क्षेत्र का श्यांग थाना इस मामले में सबसे अलग है, जहां इस वर्षा साढ़े नौ महीने के अंतराल में अपराधों की कुल संख्या दहाई में है। अब तक दैनिक अपराध पंजी में यह संख्या महज 52 पहुंची है।

लंबे समय से श्यांग इलाके का संबंध दूसरे थाने से रहा और उस इलाके में होने वाली किसी भी तरह की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने से लेकर आगे की अनुसंधान की प्रक्रिया में कई प्रकार की दिक्कतें होती थी। व्यवहारिक कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस ने प्रदेश को प्रस्ताव भेजा। सभी पहलुओं पर ध्यान देते हुए आखिरकार यहां पुलिस थाना की स्थापना वर्ष 2016 में की गई। इस थाना के अंतर्गत एक निरीक्षक, दो उप निरीक्षक, दो सहायक उप निरीक्षक और 40 आरक्षक का सेटअप है, लेकिन इनके मुकाबले उपलब्ध संख्या इतनी नहीं है। पुलिस थाना को 27 गांव की जिम्मेदारी दी गई है जो इसमें शामिल किए गए हैं।

श्यांग पुलिस थाना जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर है जो हरियाली से आच्छादित है। थाना मुख्यालय के साथ-साथ इसके दायरे में आने वाला इलाका जंगलों से घिरा है और मुख्य रूप से ग्रामीण आबादी की उपस्थिति यहां पर बनी हुई है। इस थाना के खुलने से अनेक मामलों में पुलिस की कठिनाईयां कुछ कम हुई है। लोगों को थोड़ी बहुत राहत पूर्व की तुलना में मिली है। जानकारी मिली कि ग्रामीण क्षेत्र काफी शांत है और अगर कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाए तो सामान्य और अन्य कारण से छिटपुट अपराध आसपास में होते हैं। इस वर्ष अब तक हत्या के दो, दुष्कर्म के दो मामले यहां पर दर्ज हुए हैं। शेष में आबकारी, चोरी और अन्य स्तर के मामले हैं। बताया गया कि बीते वर्ष भी आपराधिक घटनाओं का ग्राफ कमोबेश ऐसा ही रहा।

नक्सल मूव्हमेंट के मद्देनजर खुला था थाना

छत्तीसगढ़ को मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बनाने के लिए सरकार ने निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत कार्ययोजना बनाई गई है और क्रियान्वयन शुरू किया गया है। प्रदेश में एक समय ऐसा था जब बस्तर से लेकर सरगुजा और एमपी के बालाघाट से लगते प्रदेश के कवर्धा और कोरबा जिले के सरगुजा के सीमावर्ती कुछ इलाकों में नक्सल मूव्हमेंट को लेकर लगातार खबरें आती रही। इसे लेकर पुलिस की चुनौती बढ़ी हुई थी। सरकार तक इसकी रिपोर्टिंग हुई और तमाम तरह की चिंता को ध्यान में रखते हुए श्यांग में थाना की स्वीकृति के साथ भारी-भरकम बल मंजूर किया गया। वर्तमान में उपलब्ध बल को लेकर कयास लगाया जा रहा है कि स्थिति की अनुकूलता के कारण इसमें कटौती की गई है।

जागरूकता का स्तर बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही

थाना क्षेत्र के अंतर्गत लव अफेयर्स से संबंधित इक्का-दुक्का मामले अब तक आए हैं। समझ की कमी से जुड़ी चीजें पूछताछ और घटनाक्रम को लेकर सामने आई। जागरूकता का अभाव इसके पीछे की वजह है। जबकि सामाजिक बुराईयों के कारण अन्य अपराध होते हैं लेकिन इनकी संख्या नगण्य है। उम्मीद की जा रही है कि समय के साथ लोगों की चेतना में कुछ परिपक्वता आएगी।

- विनोद सिंह, थाना प्रभारी श्यांग

रिंगनिया के पास लूट, पड़ोसी राज्य में मिला आरोपी

कोरबा। बांगो थाना क्षेत्र में जुलाई माह में हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का तीसरा आरोपी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। यह वही मामला है जिसमें चाम्पा निवासी कार चालक से कार व मोबाइल लूटकर आरोपी बिहार फरार हो गए थे। इस प्रकरण में पूर्व में दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अब तीसरे आरोपी को भी बांगो पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है।

जुलाई माह में चाम्पा निवासी कार चालक अमन कुमार ने अपने वाहन में कुछ युवकों को चाम्पा से कोरबा के लिए बुकिंग पर ले जाया था। रास्ते में बांगो थाना क्षेत्र के रिंगनिया पहुंचने पर आरोपियों ने चालक के साथ मारपीट कर उसकी कार और मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए। घटना के

बाद पीड़ित अमन कुमार ने बांगो थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में साइबर सेल कोरबा, चौकी चैतमा तथा बालको थाना के अधिकारी कर्मचारी भी शामिल थे। तकनीकी विश्लेषण एवं साइबर सेल की मदद से पुलिस ने पहले ही बिहार से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। वहीं अब तीसरा आरोपी आशीष राय को भी बिहार से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। बांगो थाना पुलिस का कहना है कि फरार अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द ही पूरे गैंग का पर्दाफाश कर दिया जाएगा। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि बांगो पुलिस ने अपराधियों तक पहुंचने में उत्कृष्ट कार्य किया है। और कहा की जिले में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पावर हाउस रोड पर बढ़ी यातायात की समस्या दुकानदारों को ट्रैफिक पुलिस ने दी चेतावनी

कोरबा। पावर हाउस रोड पर आवागमन की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। सामान्य दिनों में भी इस मार्ग पर जाम की स्थिति रहती है, लेकिन दीपावली जैसे त्योहारी मौसम में यह परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। सड़क के दोनों किनारों पर दुकानदारों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

नगर निगम टीम और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से मंगलवार को इस क्षेत्र का निरीक्षण किया। शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग चौराहा से लेकर जल संसाधन विभाग के कैनाल पुल तक सड़क के दोनों ओर जाम की स्थिति देखी गई। परीक्षण के दौरान पाया गया कि कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें सड़क तक बढ़ा ली हैं, जिससे मार्ग अत्यधिक संकुचित हो गया है। इसका सीधा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को निकलने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद व्यापारियों से चर्चा करते हुए समझाया कि इस प्रकार का अतिक्रमण न केवल यातायात में बाधा डालता है बल्कि आम नागरिकों की परेशानी भी बढ़ाता है। ट्रैफिक पुलिस ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि यदि दोबारा ऐसी स्थिति पाई गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि शहर में दीपावली के समय यातायात का दबाव स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है, ऐसे में नागरिकों को सहयोग की भावना रखनी चाहिए। यदि व्यापारी स्वयं अनुशासन का पालन करें और सड़क सीमा से आगे दुकानदारी न करें तो जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

जनहित में पुलिस और निगम प्रशासन ने अपील की है कि सभी व्यापारी और नागरिक यातायात नियमों का पालन करें ताकि त्योहारों के इस मौसम में शहर की रौनक के साथ-साथ सुगम यातायात भी बना रहे।

स्थानीय उत्पादों को महत्व देने की हो मानसिकता

कोरबा। दीपावली दीपावली के पांच दिवसी पर्व के साथ छठ पूजा को लेकर पूर्णिया क्षेत्र में व्यापक तैयारी हो रही है। हर तरफ लोग अपने हिसाब से इस फेस्टिवल को इंजॉय करने में लगे हुए हैं। कोरबा क्षेत्र में इस पर्व के लिए उपयोग में आने वाली वस्तुएं तैयार करने वाला वर्ग इस भरोसे में है कि काफी संख्या में लोग उनके पास पहुंचेंगे और अपनी जरूरत की पूर्ति कर हमें भी त्यौहार मनाने का मौका देंगे। सामाजिक कार्यकर्ता राजू सोनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोकल फोर लोकल की बात कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जरूरत इस बात की है कि सभी लोग चीजों को समझें। उन्होंने कहा की मिट्टी के दिए, लक्ष्मी की प्रतिमा, लाइ बताशे के साथ-साथ फूल माला और पूजा से संबंधित चीज स्थानीय स्तर पर तैयार हो रही है।

कार्यकारिणी का विस्तार किया अशासकीय विद्यालय संघ ने

कोरबा। अशासकीय विद्यालय प्रबंधक संघ, जिला कोरबा की बैठक में सर्वसम्मति से एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। संगठन की मजबूती और कार्यकुशलता को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिले के सभी ब्लॉकों एवं इकाइयों में अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों पर नवनियुक्तियों की घोषणा की गई।

यह नियुक्तियाँ प्रत्येक ब्लॉक से प्राप्त प्रस्तावों, कोर कमेटी सदस्यों के विचार-विमर्श और प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे के मार्गदर्शन एवं अनुमति से संपन्न हुईं। जिला अध्यक्ष अक्षय कुमार दुबे ने सभी नवपदस्थ पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा की संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, सेवा भावना और आपसी समर्पण में निहित है। आप सभी के सहयोग से हमारा जिला संगठन नई ऊँचाइयों को छुएगा और शिक्षण संस्थानों के हितों की प्रभावी रूप से रक्षा करेगा। बैठक में संगठन की गतिविधियों को और अधिक पारदर्शी व सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही प्रत्येक ब्लॉक में शिक्षण संस्थानों की समस्याओं के निराकरण हेतु समन्वयक समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। नवगठित समिति में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता दी गई है। कुल 32 विद्यालयों के प्रतिनिधि सदस्य ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों के रूप में शामिल हुए हैं, जबकि जिला बॉडी में 24 पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संगठन की विचारधारा को और अधिक सशक्त करेगी तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुँचाएगी।

दो झुंडों में बंटे हाथियों ने कोटमेर व बड़मार में मचाया उत्पात

कोरबा। कोरबा वनमंडल के करतला परिक्षेत्र में 52 हाथी बड़मार व कोटमेर बीट पर विचरण कर रहे,जिसमें से 15 हाथी बड़मार तथा 37 कोटमेर क्षेत्र में सक्रिय हैं। हाथियों के इन दोनों हाथी के झुंडों ने बीती रात उत्पात मचाते हुए दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों के धान की फसल को रौंद दिया। जिससे की उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों के उत्पात से पीड़ित ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को सूचना दिए जाने पर उसके अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और रात में हाथियों द्वारा किये गए नुकसानी का आंकलन करने के साथ रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपी, जिसे क्षतिपूर्ति के लिए वनमंडल कार्यालय भेजा जाएगा। जहां से स्वीकृति उपरांत पीड़ितों को क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगा। ज्ञात रहे इससे पहले हाथियों का यह झुंड कोरबा रेंज के कोरकोमा सर्किल अंतर्गत गेराव व बताती में विचरण कर रहा था। हाथियों ने वहां भी बड़ी मात्रा में पहुंचकर फसलों को ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फेर दिया था। ग्रामीणों द्वारा खदेड़े जाने पर हाथियों का दल दो झुंड में बंट गए और बड़मार तथा कोटमेर पहुंचकर उत्पात मचाने लगा है। उधर कटघोरा वन मंडल में सक्रिय 54 हाथियों ने दल ने भी लगातार दूसरे दिन बनिया व आसपास के गांव में उत्पात मचाते हुए धान फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com